# के. डी. न्यूज

सुलतानपुर से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

UPHIN 47497

वर्ष–01 अंक 13 सुलतानपुर रविवार 17 नवम्बर 2024 मूल्य : दो रूपया पृष्ठ : 4


## जिन्ना की मुस्लिम लीग जैसा सपा का व्यवहार... अलीगढ़ में अखिलेश यादव पर बरसे सीएम योगी

संवाददाता।

लखनऊ योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 1906 में भारत के विभाजन की नींव रखने वाली मुस्लिम लीग की स्थापना भी अलीगढ़ में ही हुई थी। अलीगढ़ ने उन्हें ऐसा नहीं करने दिया, लेकिन समाज को सांप्रदायिक आधार पर बांटने के उनके इरादे कामयाब हो गए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अलीगढ़ में एक सार्वजनिक रैली के दौरान समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा हमला किया, जिसमें अखिलेश यादव की पार्टी और मुस्लिम लीग के बीच एक समानता बताई गई। योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर मुस्लिम लीग के समान विभाजनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इसने 1906 में भारत के विभाजन की नींव रखी थी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 1906 में भारत के विभाजन की नींव रखने वाली मुस्लिम लीग की स्थापना भी अलीगढ़ में ही हुई थी। अलीगढ़ ने उन्हें ऐसा नहीं करने दिया, लेकिन समाज को सांप्रदायिक आधार पर बांटने के उनके इरादे कामयाब हो गए। वही काम जो काम उस समय मुस्लिम लीग कर रही थी वही काम अब समाजवादी पार्टी कर रही है। उनके इरादों को कामयाब नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि याद रखें कि मुस्लिम लीग की नींव इस्लामाबाद या कराची या ढाका में नहीं थी। यहीं अलीगढ में था। खतरनाक इरादे अभी भी खध्त्म नहीं हुए हैं। जो काम उस समय मुस्लिम लीग कर रही थी वही काम अब समाजवादी पार्टी कर रही है। उनके इरादों को कामयाब नहीं होने देना है। एक दिन पहले मुख्यमंत्री ने भारत की विरासत के प्रति समाजवादी पार्टी की कथित उपेक्षा की आलोचना की थी और इसकी तुलना अयोध्या में राम मंदिर से जुड़े गौरव से की थी।

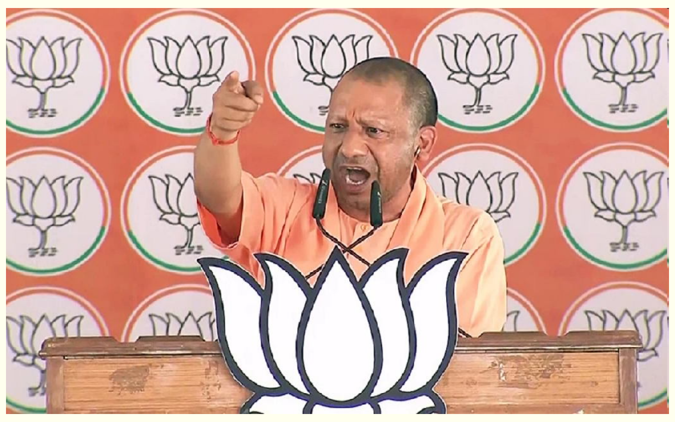

20 नवंबर को होने वाले उपचुनाव से पहले अंबेडकरनगर के कटेहरी और मिर्जापुर के मझावन निर्वाचन क्षेत्रों में रैलियों को संबोधित करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि 2014 से पहले, विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया और हमारी विरासत का अनादर किया। आज, राम लला को भव्य राम मंदिर में स्थापित किया गया है अयोध्या में, एक ऐसा दृश्य जो देश के हर नागरिक को गर्व से भर देता है। यह हमारी विरासत है, जिसका समाजवादी पार्टी के लोगों ने बार–बार अपमान किया है।

## लोकाधिकार सेवा समिति द्वारा विकलांगों हेतु कम्बल वितरण का कार्यक्रम हुआ आयोजित।

सुलतानपुर– प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 16 नवंबर को विकलांगों हेतु कम्बल वितरण का कार्यक्रम बरौसा स्थित कमला हॉस्पिटल पर लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर शुक्ल ष्बेबी भइयाष के द्वारा आयोजित किया गया। लगभग 5200 लाभार्थियों को कम्बल वितरण कार्यक्रम में संगठन द्वारा लाभ दिया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में जयसिंहपुर विधायक राजप्रसाद उपाध्याय, पुलिस ट्रेनिंग सेंटर एसपी बृजेश मिश्र, मनरेगा डिप्टी कमिश्नर केडी गोस्वामी, उपजिलाधिकारी संतोष ओझा, एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष आरए वर्मा, जयसिंहपुर क्षेत्राधिकारी रमेश कुमार, जिला पंचायत प्रतिनिधि शिवकुमार सिंह, जिला पंचायत सदस्य नंदन चौबे, जिला पंचायत सदस्य ओपी चौधरी, कूरेभार प्रमुख सोनु सिंह, मोतिगरपुर प्रमुख चंद्रप्रताप सिंह, मोतीगरपुर थानाध्यक्ष प्रवीण यादव, जयसिंहपुर बार एसोसिएशन अध्यक्ष विजयशंकर, शुक्ल, सचिव अमित शुक्ला,एडवोकेट सुभाष त्रिपाठी सहित आए हुए सभी अतिथियों का लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय महासचिव प्रभाकर शुक्ल और जयसिंहपुर ब्लॉक प्रमुख राहुल शुक्ल ने रामदरबार की फोटो शाल पुष्प गुच्छ और संकल्प पत्रिका भेंट कर स्वागत किया।मीडिया से बात करते हुएराष्ट्रीय महासचिव प्रभाकर शुक्ला ने बताया कि अब तक संस्था द्वारा निर्धन असहाय निर्बल 932 लड़कियो की सामुहिक रूप से शादी कराई गई हैं।और साथ ही बीस सालों से लगातार कंबल वितरण का कार्यक्रम किया जा रहा है। इसके अलावा मुफ्त नेत्र प्रशिक्षण व चश्मा वितरण का कार्य भी किया जा रहा है। हमारे द्वारा ब्लड डोनेशन कैम्प भी लगाया जा रहा है। इस अवसर पर डॉ सीबी शुक्ल, पूर्व प्रमुख अशफाक, बबऊ शुक्ला,बालचंद पांडेय, पप्पु तिवारी, नीरज पांडेय, संदीप दुबे, प्रधान रौनक सिंह,आकाश दुबे, वशिष्ठ पांडेय, गुरुप्रसाद मिश्र, आदेश मिश्र, शिन्टू श्रीवास्तव, बब्लू मिश्र, सतीश पांडेय, अवधेश तिवारी, आचार्य नीरज मिश्र,फइम भाई, बबलू तिवारी, प्रदीप जायसवाल,अंजनी यादव समेत तमाम प्रधान व बीडीसी मौजूद रहे।

## समाधान दिवस में 5 मामलें का हुआ निस्तारण

सहजनवा गोरखपुर । सहजनवा तहसील सभागार में एसडीएम दीपक गुप्ता के अध्यक्षता में शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन हुआ जिसमें कुल 78 मामलें आये।मौके पर पाच मामलें का निस्तारण किया गया।अन्य मामलें का जांच कर निस्तारण का निर्देश दिया गया। इस मौके पर तहसीलदार राकेश कन्नौजिया, नायब तहसीलदार दुर्गेश चौरसिया, भानु प्रताप सिंह, ईओ सूर्यकांत समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहें।

## सप्लाई का पानी बंद होने पर ग्रामीण ने किया प्रदर्शन

पिपरौली गोरखपुर । कस्बा पिपरौली बाजार के धरमौली मोहल्ले के ग्रामीणों ने विगत 15 दिन से पीने के पानी की सप्लाई बंद होने से आक्रोशित होकर प्रदर्शन किये। प्रदर्शनकारीयों का नेतृत्व कर रहे युवा नेता संजय सिंह ने बताया कि कस्बा पिपरौली बाजार के धरमौली मोहल्ले में विगत 10 –15 दिनों से जल निगम की तरफ से जो पीने के पानी की सप्लाई की जाती है वह बंद है। जिससे मोहल्ले वासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार कहने के बाद भी अभी तक समस्या से निजात नहीं मिला। इसी से आक्रोशित होकर लोगों ने प्रदर्शन किया। मोहल्ले के लोगों की मांग है की जल्द से जल्द पीने की पानी की सप्लाई बहाल की जाए। इस अवसर पर विक्की कश्यप, महेंद्र गौंड, जसवंत गौंड, सोनू गौंड, राम अवध गुप्ता, बादल गौंड, बम बम वर्मा, नितेश गौंड, सोनू कश्यप, नेबूलाल प्रजापती, गोविंद गौंड सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। इस संबंध में पिपरौली जल निगम जे ई दीपक कुमार ने बताया कि जो बोर था वह बैठ गया है। इसलिए सप्लाई बाधित है। व्यवस्था की जा रही है कि जो पुराना बोर है उसमें मशीन लगाकर सप्लाई बहाल की जाए।

## जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में संपन्न हुआ तहसील समाधान दिवस

### डीएम के अनुपस्थित होने के कारण फरियादी दिखे मायूस

बांसगांव गोरखपुर । बांसगांव तहसील सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता सीडीओ गोरखपुर संजय कुमार मीणा ने किया।

बताते चलें कि इस माह के तीसरे शनिवार को आयोजित होने वाले संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश करने वाले थे लेकिन किन्हीं कारणवश वो अनुपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी विभागों से जुड़े कुल 51 मामले आए जिसमें 9 मामलों का निस्तारण तुरंत कर दिया गया। जिन पीड़ितों को न्याय पाने के लिए यह समाधान दिवस एक सुनहरा अवसर दिख रहा था उन लोगों के चेहरे पर डीएम के अनुपस्थिति के कारण मायूसी भी दिखी। इस अवसर पर एसएसपी डॉ0 गौरव ग्रोवर सहित एसडीएम केशरी नंदन तिवारी, तहसीलदार नरेंद्र कुमार, नायब तहसीलदार जीवेंद्र कुमार त्रिपाठी व सभी विभागों के जिला, तहसील तथा ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

## झांसी मेडिकल कालेज में भीषण आग, एनआईसीयू वार्ड में 10 बच्चों की मौत

झांसी । उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार देर रात एक भीषण आग लगने की घटना ने सबको झकझोर कर रख दिया। हादसा अस्पताल के नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में हुआ, जिसमें अब तक 10 बच्चों की मौत हो चुकी है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। आग लगने के बाद अस्पताल में अफरा–तफरी का माहौल बन गया। फायर ब्रिगेड की टीमों ने मौके पर पहुंचकर तेजी से बचाव अभियान शुरू किया। कई बच्चों को खिड़कियां तोड़कर सुरक्षित बाहर निकाला गया। हालांकि, धुएं और आग के कारण कई नवजातों को बचाया नहीं जा सका। घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और डीआईजी समेत प्रशासन के अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रभावित परिवारों का कहना है कि अस्पताल में सुरक्षा इंतजाम बेहद कमजोर थे। आग बुझाने के उपकरण भी पर्याप्त नहीं थे, जिससे हादसा और गंभीर हो गया। प्रशासन ने इस हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। अस्पताल के शॉर्ट सर्किट जैसे तकनीकी कारणों और सुरक्षा उपायों में खामियों की गहन जांच की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। इस हृदयविदारक घटना ने एक बार फिर अस्पतालों में फायर सेफ्टी नियमों की अनदेखी और आपातकालीन प्रबंधन की कमियों को उजागर कर दिया है। उम्मीद है कि इस घटना से सीख लेते हुए अस्पताल प्रशासन सुरक्षा उपायों को मजबूत करेगा ताकि भविष्य में ऐसे हादसे न हों।

## महामहिम राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल करेंगे प्रतिमाओं का अनावरण

### 17 नवंबर को उनवल में होगा भव्य आयोजन

उनवल गोरखपुर । पूर्व नियोजित कार्यक्रम के अनुसार 17 नवंबर रविवार को प्रातः 11 बजे नवल्स नेशनल एकेडमी ग्रुप आफ स्कूल्स एण्ड कॉलेजेस एवं राष्ट्रीय पूर्वांचल हिन्दी मंच के संयुक्त तत्वावधान में खजनी क्षेत्र के मूल निवासी रहे महान शिक्षाविद् शब्द पुरुष आचार्य सत्यनारायण त्रिपाठी एवं गुरूमाता नवलपति त्रिपाठी के युगल मूर्तियों का अनावरण मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल के द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर आयोजन सभा के संरक्षक के रूप में पूर्व सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रहे डॉक्टर रमापति राम त्रिपाठी एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता पद्मश्री आचार्य विश्वनाथ प्रसाद तिवारी के द्वारा की जाएगी, साथ ही सदर सांसद एवं अभिनेता रवि किशन शुक्ल सहजनवां विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रदीप शुक्ल गोरखपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विधायक विपिन सिंह चिल्लुपार विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेश त्रिपाठी एमएलसी ध्रुव कुमार, सीपी चंद सहित गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कृष्णचंद लाल, प्रोफेसर अन्नत मिश्र प्रोफेसर रामदरश राय प्रोफेसर सुरेन्द्र दुबे प्रोफेसर चित्तरंजन मिश्र प्रोफेसर अनिल राय सहित 40 साहित्यकारों को आमंत्रित किया गया है। उक्त जानकारी आयोजक चेयरमैन डाक्टर संजयन त्रिपाठी के द्वारा दी गई।

## प्रखर नेता बिन्नू सिंह की आठवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा कल

चौरीचौरा गोरखपुर। प्रखर राष्ट्रवादी भाजपा नेता और शहीद बन्धू सिंह डिग्री कॉलेज के संस्थापक स्व. विनय कुमार सिंह शबिन्नूश की आठवीं पुण्यतिथि सोमवार, 18 नवंबर को मनाई जाएगी। श्रद्धांजलि सभा का आयोजन शहीद बन्धू सिंह डिग्री कॉलेज, करमहा, सरदारनगर में सुबह 11 बजे किया जाएगा। इस अवसर पर उनके अनुज और कार्यक्रम के आयोजक अजय कुमार सिंह टप्पू ने गणमान्य व्यक्तियों से श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने की अपील की है। श्रद्धांजलि सभा के आयोजन की तैयारी के लिए हाल ही में उनके कैम्प कार्यालय पर एक बैठक भी आयोजित की गई थी। स्व. विनय कुमार सिंह शबिन्नूश की प्रेरणा और उनके योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि सभा में उनके समर्थक, समाजसेवी और स्थानीय नागरिक भी शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में उनके विचारों और कार्यों को लेकर चर्चा की जाएगी, जो आज भी लोगों के दिलों में जीवित हैं।

## कथा के पांचवे दिन कृष्ण लीला में पूतना उद्धार की कथा सुनकर श्रद्धालु हुए भाव विभोर।

धनपतगंज सुल्तानपुर। श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के पंचम दिवस पर बाल व्यास मधुर जी महाराज ने पूतना उद्धार, माखन चोरी और गोवर्धन लीला के बारे में विस्तृत वर्णन किया। पूतना उद्धार के अंतर्गत भगवान की उदारता बड़ी अद्भुत है।जिस पूतना ने भगवान को जान से मारना चाहा ऐसी पूतना के लिए भी भगवान ने स्थान दिया क्योंकि दूध पिलाने का कार्य सिर्फ माता का ही होता है। पूतना भले ही दूध में जहर मिलाकर मारने का भाव था। इसलिए भगवान ने उसे माता का स्थान दिया। महाराज ने बताया कि भगवान ने गोपियों का वस्त्र हरण वसनात्मक दृष्टि से न करके अपितु भगवान ने संसार को शिक्षा दिया जो माया का आवरण है जब तक व्यक्ति के जीवन में है तब हमारी प्राप्ति संभव नहीं है, क्योंकि भगवान माया से परे हैं। माया जब निकल जाती है, माया का पर्दा हटाने के बाद ही परमात्मा का दर्शन संभव हो पता है और प्रभु की कृपा प्राप्त होती है। बाल व्यास मधुर जी महराज ने आगे बताया कि भगवान तो भक्त के बस में होते हैं बस आस्था हृदय से होनी चाहिए। भगवान तो हर कण का में व्याप्त है बस उन्हें पहचानने की आवश्यकता है।प्रभु की भक्ति में ही शक्ति है, प्रभु की निगाह से कुछ छिपा नहीं है। कलयुग में मानव कल्याण प्रभु की भक्ति में ही है। वही सर्व शक्तिमान है जिस पर प्रभु की कृपा है।प्रभु को दीनदयाल ऐसे ही नहीं कहा जाता, ओ हमेशा अपने भक्तों की रक्षा करते हैं।

पत्रकार संतोष पाण्डेय के ग्रामीण आवास पूरे पंडित आचार्य में श्रवण की जा रही श्री मद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह में पंचम दिवस पर बाल व्यास मधुर जी महराज ने प्रभु की लीला का बहुत ही हृदयस्पर्शी वर्णन किया। इस पावन अवसर पर लखनऊ से पधारे पूर्व सूचना निदेशक डॉ एस पी तिवारी, सत्यदेव तिवारी संपादक,सचिवालय से राजेश तिवारी, नरेंद्र द्विवेदी वरिष्ठ पत्रकार हिंदुस्तान, सूर्य प्रकाश तिवारी,प्रमोद पाण्डेय पत्रकार, विशाल शुक्ल, राजदेव शुक्ल वरिष्ठ पत्रकार, विजय पाण्डेय बब्बू फाइटर, उमेश तिवारी ,पंकज तिवारी, चंद्र प्रकाश वर्मा, रमा कांत मिश्रा, सहित हजारों कथा भक्तों ने पाण्डेय परिवार के साथ कथा श्रवण किया।

## शराब के आदी पुत्र को पिता ने ही उतारा था मौत के घाट

### एम्स थाना क्षेत्र के तुर्रा नाले के पास मिली थी युवक की लाश

गोरखपुर । नशा जहाँ कई परिवार को बर्बाद कर रहा है वहीं कई जिंदगियों को भी छीन लेता है नशे के आदि व्यक्ति को सिर्फ नशा करने वाला कुछ नहीं सूझता चाहे उसके लिए कुछ भी करना पड़े आज युवा पीढ़ी को नशा पूरी तरीके से बर्बादी की तरफ ले जा रहा है। शरीर के साथ पैसे की भी बर्बादी हो रही है ऐसा ही एक मामला एम्स थाना क्षेत्र की तुर्रा नाले के पास 12 नवंबर को लाश मिलने की पुलिस को सूचना मिली थी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था और पिता की तहरीर मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन में जुटी हुई थी पुलिस की जांच

में पाया गया कि पिता ही पुत्र का कातिल है। घटना का खुलासा पुलिस लाइन के व्हाइट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान एसपी सिटी अभिनव त्यागी व क्षेत्राधिकारी कैंट योगेश सिंह ने किया।

उन्होंने बताया कि शव मिलने के बाद पुलिस मुकदमा दर्ज करके मामले की छानबीन में जुटी हुई थी जांच में मामला प्रकाश में आया कि पिता ने ही शराब के आदि पुत्र को बाइक पर बैठ कर तुर्रा नाले पर ले लिया और उसे वहीं पर फेंक दिया जब पुत्र की मौत नहीं हुई तो उसने पर ईट से प्रहार करके उसको मौत के घाट उतार दिया। फिलहाल पुलिस ने आरोपी पिता दीनानाथ पुत्र श्रीपत निवासी सिसवा उर्फ चनकापुर को गिरफ्तार करके सलाखों के पीछे भेजने का काम किया है पुलिस ने आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और आलाकत्ल ईट को भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में एम्स थाना प्रभारी संजय मिश्रा, उपनिरीक्षक रविंद्र सिंह, उपनिरीक्षक ज्ञानेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल संजय कुमार सिंह, कांस्टेबल राकेश सिंह शामिल रहे।

## सदर तहसील में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने फरियादियों की सुनी फरियाद, 124 फरियादी फरियाद लेकर आए 10 का किया गया निस्तारण

गोरखपुर । सदर तहसील सभागार में तहसील समाधान दिवस ज्वाइंट मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में आयोजित की गई आज सदर तहसील में 124 फरियादियों ने अपनी अपनी फरियाद ज्वाइंट मजिस्ट्रेट व तहसीलदार सदर नायब तहसीलदार गण के समक्ष प्रस्तुत किये 10 मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया गया शेष बचे हुए मामलो को एक हफ्ते के अंदर निस्तारित करने का निर्देश दिया। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने कहा कि अधिकारी गण जन समस्याओं के प्रति संवेदनशील होकर समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है और जन समस्याओं का गुणवत्तायुक्त एंव समयबद्ध निस्तारण शासन की प्राथकिता है।

## कैंब्रीजीयन एकेडमी खेल स्पर्धा का हुआ आयोजन

### पूर्व चेयरमैन ज्योति प्रकाश गुप्ता ने फीता काटकर किया शुभारंभ

चौरी चौरा गोरखपुर। एएन कैंब्रीजीयन एकेडमी चौरी चौरा का खेल स्पर्धा का आयोजन मजीठिया स्टेडियम सरदारनगर में आयोजित हुआ। खेल स्पर्धा के प्रथम दिन शुभारंभ नगर पंचायत मुंडेरा बाजार के पूर्व चेयरमैन ज्योति प्रकाश गुप्ता ने फीता काटकर किया। प्रथम दिन के खेल स्पर्धा में वरिष्ठ बालक वर्ग में 800 मी अभय चौहान 100 मी कनिष्ठ बालक वर्ग में आर्यन भारद्वाज 100 मी वरिष्ठ बालिका वर्ग में अंशिका पासवान 100 मी कनिष्ठ बालिका वर्ग में अनुष्का निषाद प्रथम स्थान पर रहे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि कृष्णा गुप्ता विद्यालय की निदेशक मंजू शर्मा प्रधानाचार्य वीना मिश्रा पूर्व कार्यवाहक प्रधान मृत्युंजय मौर्य ज्ञान प्रकाश राय पवन पांडेय सुनील गौड़ अमन दुर्गेश परमानंद रंजीत डालशी मैम हीना तान्या कृति नासरीन रिकी सहित तमाम शिक्षक उपस्थित रहे।

## बसडीला शिव मंदिर पर धूमधाम से मनाया गया देव दीपावली

चौरी चौरा गोरखपुर। सरदारनगर ब्लॉक के बसडीला गांव में स्थित शिव मंदिर पर देव दीपावली धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान शिव की पूजा–अर्चना से हुई, जिसे अनिल शुक्ला ने संपन्न किया। पूजा के बाद भगवान की आरती में जग मोहन शुक्ला, विनोद शुक्ला, दीनानाथ शुक्ला और विपुल शुक्ला ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर गांव के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे, जिनमें शशांक शुक्ला, मनमोहन शुक्ला, ज्ञानू पवन, मनोज, ग्राम प्रधान विनय शुक्ला, संतोष शुक्ला, अवनीश शुक्ला, वागीश शुक्ला, राहुल तिवारी, मोनू साकेत, गिरीश, रामदयाल समेत कई अन्य लोग शामिल थे। कार्यक्रम के बाद दीपोत्सव मनाया गया और अंत में प्रसाद वितरण किया गया, जिससे सभी श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्राप्त हुआ। इस आयोजन में ग्रामीणों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया।

# सम्पादकीय...

## भारत के आर्थिक प्रबंधकों के सामने एक कठिन चुनौती

वित्तीय बाजारों की चमक ही एकमात्र पहलू है, जिस पर भारत के आर्थिक उदय का सारा कथानक टिका हुआ है। वरना, निवेश–उत्पादन–वितरण की वास्तविक अर्थव्यवस्था किसी कोण से चमकती नजर नहीं आती। अब वित्तीय बाजारों पर भी ग्रहण के संकेत हैं। अक्टूबर में विदेशी पोर्टपोलियो निवेशकों (एफपीआईज) ने भारतीय बाजारों से लगभग 94,000 करोड़ रुपये निकाल लिए। यह अभूतपूर्व है। इसके पहले किसी एक महीने में एफपीआईज ने इतनी बड़ी निकासी नहीं की थी। कोरोना महामारी ने जब दस्तक दी थी, तब मार्च 2020 में इन निवेशकों ने 61,973 करोड़ रुपये निकाले थे, जो अब तक का रिकॉर्ड था। ताजा निकासी का नतीजा हुआ कि अक्टूबर में भारतीय शेयर बाजार सूचकांक में आठ प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई। लाजिमी है कि इस घटनाक्रम ने भारत के वित्तीय प्रबंधकों की चिंता बढ़ाई है। आखिर, वित्तीय बाजारों की चमक ही एकमात्र पहलू है, जिस पर भारत के आर्थिक उदय का सारा कथानक टिका हुआ है। वरना, निवेश–उत्पादन–वितरण की वास्तविक अर्थव्यवस्था किसी कोण से चमकती नजर नहीं आती।उलटे अब तो केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने भी उपभोग एवं मांग गिरने की हकीकत को मान लिया है। अक्टूबर में वास्तविक अर्थव्यवस्था से जुड़े कारोबारी और यहां तक कि वित्तीय अखबार भी यह कहने को मजबूर हुए कि भारत में मध्य वर्ग सिकुड़ रहा है। जबकि दुनिया में जो भी देश विकसित हुए है, उनकी आर्थिक समृद्धि मध्य वर्ग के विस्तार पर टिकी रही है। भारत में अब सामने यह है कि एकमात्र चमकते पक्ष पर भी ग्रहण लग रहा है।

## ट्रंप की नीतियां हिंदुओं पर सर्वाधिक भारी

दुनिया के अधिकतर सभ्य, विकसित और लोकतांत्रिक देशों में जिस एक कौम को सबसे ज्यादा सम्मान और प्रेम के साथ स्वीकार किया जा रहा था, जिसे कोई दूसरी कौम अपने लिए खतरे की तरह नहीं देखती थी वह हिंदू कौम थी।लेकिन पिछले 10 साल में क्या हुआ है? पूरी दुनिया में हिंदुओं के प्रति घृणा बढ़ी है। उनके खिलाफ हेट स्पीच बढ़े हैं और उनको निशान बनाने की घटनाएं बढ़ी हैं।अमेरिका में, जहां लगभग 45 लाख भारतीय आबादी बताई जाती है, और जिसमें अधिकांश हिंदू हैं वहां भी हिंदुओं का जीवन मुश्किल हुआ है। भारत में चल रही जातीय व धार्मिक बहस वहां तक जा पहुंची है।पिछले साल कैलिफोर्निया स्टेट में जातिगत भेदभाव को रोकने का विधेयक लाया गया था। यह विशुद्ध रूप से भारत को निशाना बनाने वाला विधेयक था। इसकी शुरुआत अमेरिका की टेक्नोलॉजी कंपनी सिस्को और उसके दो इंजीनियरों के खिलाफ एक भारतीय नागरिक के साथ जाति के आधार पर भेदभाव करने के मामले से हुई थी।इस मुकदमे के आधार पर जातिगत भेदभाव रोकने का बिल आया। इसके खिलाफ कैलिफोर्निया के हिंदू समूहों ने प्रदर्शन भी किया। इसके बावजूद राज्य विधानसभा से यह बिल पास हो गया। बाद में कोलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने इसे वीटो करके रोक दिया। हालांकि इसके बावजूद पूरे अमेरिका में इसकी व्यापक कवरेज हुई, जिसमें हिंदू समाज निशाने पर था। चौतरफा बदनामी हुई। भले कारोबारी स्तर पर हिंदुओं की पूछ बढ़ी है लेकिन एक समाज और संस्कृति के तौर पर उनकी बदनामी हुई है।चाहे जाति का मामला हो, भारत में धर्म के आधार पर होने वाले विभाजन का मामला हो या खालिस्तान का मामला हो हर बार अमेरिका में हिंदू निशाने पर आए। कट्टरपंथी गोरों के साथ साथ अपने ही देश के सिख और दूसरे कई देशों के मुस्लिम उनको दुश्मन की तरह देखने लगे।आने वाले दिनों में हिंदुओं की मुश्किल और बढने वाली है क्योंकि राष्ट्रपति बनने के बाद डोनाल्ड ट्रंप जो नीतिगत फैसले करने वाले हैं उनमें से कई फैसलों का शिकार हिंदू होंगे। ट्रंप नागरिकता देने वाले कानून में बदलाव करेंगे, और केवल ग्रीन कार्डधारक के बच्चों को ही जन्म से तब नागरिकता मिलेगी।इसका नुकसान 10 लाख भारतीयों को होने वाला है। अवैध प्रवासियों को रोकने के लिए ट्रंप सख्त कानून ला रहे हैं तो पहले से रह रहे अवैध प्रवासियों को निकाने के लिए दो सौ साल से ज्यादा पुराने कानून का सहारा लेंगे।इस कानून के तहत सरकार 14 साल से ज्यादा उम्र के किसी भी व्यक्ति को अवैध प्रवासन के आधार पर देश से निकाल सकती है। इसका भी नुकसान भारतीय हिंदुओं को अधिक होगा।सोचें, अच्छे दिन की उम्मीद में 2014 में भारत के हिंदुओं ने जो सरकार बनाई थी उसका क्या हासिल है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य गुजरात से सबसे बड़ी संख्या में हिंदू भाग रहे हैं।

# धीमी न्यायिक प्रक्रिया के विकल्प पर सोचना होगा

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई को नियंत्रित करते वक्त एक तथ्य पर ध्यान नहीं दिया है। हमारे यहां आपराधिक मामलों की सुनवाई की जो प्रक्रिया है और उसमें जिस तरह की देर लगती है, उसे अपराध करने वालों ने अपने लिए आड़ बना रखा है।उलेमा बनाम उत्तरी दिल्ली मामले पर सुनवाई के दौरान जिस तरह सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणियां की थीं, इस मामले पर आए फैसले का अंदेशा उनसे हो गया था। सबसे बड़ी अदालत ने बुलडोजर कार्रवाई पर पूरी रोक तो नहीं लगाई है, लेकिन इसके लिए मानक प्रक्रिया बनाकर राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों के हाथ जरूर बांध दिए हैं। जैसा कि हर फैसले के साथ होता है, हर पक्ष अपने–अपने हिसाब से इसकी व्याख्या कर रहा है। बुलडोजर कार्रवाई के विरोधी इसे अपनी जीत बता रहे हैं, वहीं इसके समर्थक इस फैसले में भी कार्रवाई के लिए राह खोज रहे हैं। इससे साफ है कि बुलडोजर न्याय सिर्फ स्पीड ब्रेकर का काम करेगा, ब्रेक नहीं बन पाएगा। स्पीड ब्रेकर तेज रफ्तार वाहनों की रफ्तार को धीमी करता है, जबकि ब्रेक गाड़ी को रोक देता है। यह फैसला भी कुछ इसी तरह का साबित होने जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई को नियंत्रित करते वक्त एक तथ्य पर ध्यान नहीं दिया है। हमारे यहां आपराधिक मामलों की सुनवाई की जो प्रक्रिया है और उसमें जिस तरह की देर लगती है, उसे अपराध करने वालों ने अपने लिए आड़ बना रखा है। बरसों तक धीमी गति से चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया का एक संदेश यह है कि ताकतवर चाहे तो अपराध करने के बावजूद प्रक्रिया की घुमावदार गलियों में न्यायिक फैसले को टाल सकता है। यह टालना इतना लंबा हो जाता है कि एक तरह से वह न्याय से इनकार हो जाता है। देर है पर अंधेर नहीं की सोच भी उबाऊ और धीमी न्यायिक प्रक्रिया के सामने धुंधली होते–होते समाप्त हो जाती है। इसी घुमावदार और लंबी–धीमी न्यायिक प्रक्रिया का विकल्प बनकर बुलडोजर न्याय उभरा था। राज्य सरकारों ने इसे त्वरित न्याय के साधन के तौर पर अपनाया और देखत ही देखते अपराधमुक्त समाज की चाहत रखने वालों की चहेती बन बैठीं। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई की मानक प्रक्रिया बनाते हुए त्वरित न्याय के विकल्प या न्यायिक प्रक्रिया की घुमावदार गलियों को पूरी तरह नजरंदाज किया है। यही वजह है कि इस फैसले के बाद अपराधियों, गैंगस्टरों, असामाजिक तत्वों के उभार को लेकर समाज का एक बड़ा वर्ग सशंकित हो उठा है। देश की सबसे बड़ी अदालत होने के चलते सुप्रीम कोर्ट को इस सामाजिक सोच का भी संज्ञान लेना चाहिए और उसे भी आश्वस्त करना चाहिए कि उसके फैसले के बावजूद किसी गैंगस्टर, कोई अपराधी या समाज विरोधी तत्व को कमजोर तबके की जमीनों या का हक नहीं मिल जाता। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला उत्तरी दिल्ली के एक मामले में दिया है। अप्रैल 2022 में दिल्ली के जहांगीर पुरी में रामनवमी के दिन निकले जुलूस पर एक मस्जिद और उस इलाके से जुलूस पर हुए पथराव और उससे उपजी हिंसा के जवाब में दिल्ली नगर निगम ने अवैध अतिक्रमणों को हटाने के लिए बुलडोजर कार्रवाई की थी। इस कार्रवाई को सांप्रदायिक कार्रवाई का रंग देते हुए सेकुलर धारा के दिग्गज वकीलों मसलन कपिल सिब्बल आदि ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। भले ही सुनवाई इसी मामले की होती रही, लेकिन संदेश ऐसा गया मानो उत्तर प्रदेश की सरकार की बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ सुनवाई हो रही है। इसकी वजह यह रही कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने त्वरित न्याय के विकल्प के रूप में इसे अपनाया। तब उत्तर प्रदेश सरकार को लेकर यह छवि बनाई गई कि वह सिर्फ अल्पसंख्यक यानी मुस्लिम तबकों के खिलाफ ही बुलडोजर कार्रवाई करती है। जबकि योगी सरकार ने बिरादरी से ब्राह्मण लेकिन कर्म से माफिया और गैंगस्टर विकास दुबे के खिलाफ भी इस कार्रवाई को किया। भदोही के बिरादरी से पंडित गैंगस्टर और राजनेता विजय मिश्रा की अतिक्रमित संपत्तियां भी उत्तर प्रदेश सरकार के निशाने पर रहीं। लेकिन प्रचारित सिर्फ अतीक, मुख्तार जैसे मुस्लिम दबंगों और माफियाओं की संपत्तियों के खिलाफ हुई कार्रवाई ही की जाती रहीं। इस बहाने त्वरित न्याय के इस सरकारी विकल्प को हिंदुत्ववादी राजनीतिक दर्शन का ना सिर्फ नतीजा बताया गया, बल्कि यह नैरेटिव स्थापित कर दिया गया। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर आम लोगों के बीच संदेश यही गया है कि यह उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ आया फैसला है। बुलडोजर कार्रवाई को लेकर प्रचारित सिर्फ योगी सरकार रही, लेकिन अवैध अतिक्रमण के खिलाफ आंध्र, तेलंगाना, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश आदि सरकारों ने भी की है। एक आंकड़े के मुताबिक, पिछले सात सालों में करीब 2000 अवैध अतिक्रमण बुलडोजर कार्रवाई में ढहाए गए। जिनमें सबसे ज्यादा करीब डेढ़ हजार मामले उत्तर प्रदेश के ही रहे। लेकिन उत्तर प्रदेश में इस कार्रवाई से खाली कराई गई जमीनों को कमजोर तबकों में बांटा भी गया है। करीब सात सौ ऐसे प्लॉट बांटे जा चुके हैं। इसकी चर्चा कम हो रही है। निश्चित तौर पर इससे किसी को इनकार नहीं होगा कि किसी अपराधी के अपराध की कीमत उसका पूरा परिवार अपना घर गवांकर क्यों चुकाए। लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि अपराधी का घर भी अगर सरकारी तंत्र के निशाने पर बना तो उसकी वजह उसका नियमित निर्माण नहीं, बल्कि अवैध कब्जा और अतिक्रमण रहा। अब तक बुलडोजर कार्रवाई नगर पालिकाओं, पंचायती राज संस्थाओं का विषय रहा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इसे में स्थानीय जिला अधिकारी और उप जिलाधिकारी भी शामिल हो गए हैं। अवैध कब्जे और अतिक्रमण के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई जिला अधिकारी की निगरानी में होगी और इसके लिए मान्य प्रक्रिया और नोटिस आदि देने की अवधि का पूरी तरह निर्वहण किया जाएगा। इस प्रक्रिया की राह में एक बाधा नजर आ रही है। जिला प्रशासन समय और काम के बोझ का बहाना बनाकर ऐसी कार्रवाइयों को टाल सकता है। अपराधी, माफिया और गैंगस्टर कब्जे करते रहेंगे, और धीमी न्यायिक प्रक्रिया के चलते वे अपने अपराध को प्रकारांतर से स्थापित करते रहेंगे। इससे त्वरित न्याय प्रक्रिया की वैकल्पिक सोच भी कुंद होगी। ऐसे में न्याय की उम्मीद भी धुंधली होगी। ऐसे में आपराधिक तत्वों पर लगाम लगा पाना आसान नहीं रह जाएगा।

# अदालतों के निर्देश भी नहीं सुधार सके नदियों की सेहत

सुप्रीम कोर्ट ने नगर निगम के सारे दावों की पोल खोल कर रख दी और यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण स्तर को लेकर नगर निगम को फटकार लगाई। इस तरह के मामले में इससे राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) ने भी नगर निगम के खिलाफ अप्रैल में आदेश दिया था।हिन्दू शास्त्रों में गंगा और यमुना नदी का धार्मिक महत्व बताया गया है। इन नदियों की उपयोगिता के कारण इन्हें जीवनदायिनी कहा गया है। वर्तमान में हालत यह है कि ये जीवनदायिनी खुद जीवन के लिए तरस रही हैं। देश में अन्य समस्याओं की तरह इन नदियों के की बर्बादी के लिए भी राजनीति जिम्मेदार है। नदियों का प्रदूषण का मुद्दा राजनीतिक दलों को वोट नहीं दिला सकता, इसलिए इनकी सेहत लगातार बिगड़ती जा रही है। सत्तारुढ़ दलों की प्राथमिकता में नदियों की पवित्रता बरकरार रखना नहीं रह गया है। इन नदियों की हालत नालों जैसी बन चुकी है। भ्रष्टाचार और वोट बैंक की राजनीति के कारण इस हालत से निपटने के लिए सरकारी प्रयास विफल साबित हुए हैं। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण, हाईकोट और सुप्रीम कोर्ट के दखल के बावजूद नदियों में अपेक्षित सुधार नहीं हो पा रहा है। अदालतों ने नदियों में प्रदूषण के लिए कई बार भारी जुर्माना लगाया है। चुंकि जुर्माना नेता–अफसरों की जेब से नहीं जाता, इसलिए उसका ऊंट के मुंह में जीरे जितना ही असर हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने यमुना नदी को अनुपचारित अवशिष्ट से प्रदूषित करने के लिए आगरा नगर निगम को 58.39 करोड़ रुपये पर्यावरणीय मुआवजा देने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने नगर निगम के सारे दावों की पोल खोल कर रख दी और यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण स्तर को लेकर नगर निगम को फटकार लगाई। इस तरह के मामले में इससे राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) ने भी नगर निगम के खिलाफ अप्रैल में आदेश दिया था। यह पहला मौका नहीं है कि जब एनजीटी या

अदालत ने नदियों के प्रदूषण के लिए सरकारी एजेंसियों पर जुर्माना लगाया हो, इससे पहले भी ऐसे कदम उठाए जा चुके हैं, किन्तु शासन–प्रशासन की मिलीभगत से नदियों में प्रदूषण का स्तर का बढ़ता जा रहा है। हालात यह हो गए हैं कि नदियों का जल पीने लायक तो दूर आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। दिल्ली में बहने वाली यमुना नदी कभी धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण थी। अब प्रदूषण के कहर से जूझ रही है। आंकड़े बताते हैं कि यमुना का प्रदूषण स्तर खातरनाक स्तर तक पहुंच चुका है। छठ जैसे पर्व पर महिलाओं को इस नदी पर स्नान करने से रोक लगाई गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, यमुना में खतरनाक बैक्टीरिया और प्रदूषकों का स्तर मानक सीमा से कई गुना अधिक पाया गया है। दिल्ली में यमुना के प्रमुख हिस्सों में पानी की गुणवत्ता, बीओडी (बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड) और अन्य प्रदूषक तत्वों के कारण न केवल पीने के योग्य नहीं है। यमुना में प्रतिदिन लगभग 3,000 मिलियन गैलन से अधिक सीवेज प्रवाहित होता है। यह बिना किसी सफाई प्रक्रिया के सीधे नदी में जा रहा है। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण ने नोएडा विकास प्राधिकरण पर 100 करोड़ यानी एक अरब रुपये और दिल्ली जल बोर्ड पर 50 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया थ। इसी तरह बिहार सरकार में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने सॉलिड और लिक्विड वेस्ट का वैज्ञानिक तरीके से निपटारा नहीं कर पाने को लेकर राज्य सरकार पर चार हजार करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। सर्वोच्च न्यायालय ने 28 नवंबर, 2023 को एनजीटी के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें महाराष्ट्र को अनुचित अपशिष्ट प्रबंधन के लिए पर्यावरण मुआवजे के रूप में 12,000 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। एनजीटी ने पंजाब सरकार पर कई चेतावनियों के बावजूद राज्य में ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन में विफल रहने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। इसी तरह सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा राजस्थान सरकार पर लगाए 3000 करोड़ रुपये के जुर्माने पर रोक लगा दी। एनजीटी ने राजस्थान में गीले और सूखे कचरे के समुचित प्रबंधन में नाकाम रहने से पर्यावरण पर पड़ रहे बुरे असर को लेकर यह जुर्माना लगाया था। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) की ओर से 5 जून को पर्यावरण दिवस के मौके पर जारी स्टेट ऑफ एनवायरमेंट (एसओई) रिपोर्ट 2023 में यह खुलासा किया कि देश के 30 राज्यों में कुल 279 (46 फीसदी) नदियां प्रदूषित हैं, हालांकि, 2018 के मुकाबले मामूली सुधार 2022 में देखा गया है। 2018 में 31 राज्यों में 323 नदियां प्रदूषित थीं। एसओई रिपोर्ट के मुताबिक देश

# फिल्मी दुनिया/सेहत

## कंगुवा के आगे भी खूब चला रूह बाबा का जादू, 14वें दिन भूल भुलैया 3 ने कमा डाले 4 करोड़

कार्तिक आर्यन की लेटेस्ट रिलीज फिल्म श्भूल भुलैया 3य दर्शकों की फेवरेट बनी हुई है. दिवाली के मौके पर अजय देवगन की सिंघम अगेन के साथ सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली इस फिल्म की बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस गजब रही है. जहां श्भूल भुलैया 3य ने सिंघम अगेन की दहाड़ को भी बेदम कर दिया है.वहीं अब इस फिल्म पर सूर्या और बॉबी की कंगुवा की रिलीज का भी कोई असर नहीं पड़ा है. श्भूल भुलैया 3य बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए और इसी के साथ ये करोडों में कमाई भी कर रही है. चलिए यहां जानते हैं श्भूल भुलैया 3य ने रिलीज के 14वें दिन यानी दूसरे गुरुवार कितना कलेक्शन किया है?श्भूल भुलैया 3य ने सिनेमाघरों में धमाल मचाते हुए दो हफ्ते पूरे कर लिए हैं. फिल्म में कार्तिक आर्यन के अलावा विद्या बालन, माधुरी

दीक्षित और तृप्ति डिमरी ने अहम रोल निभाया है. स्टार कास्ट की परफॉरमेंस और हॉरर के साथ कॉमेडी के तड़के वाली इस फिल्म ने दर्शकों का दिल जीत लिया है और इसी के साथ 150 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने ना केवल अपनी लागत वसूल कर ली है बल्कि अब ये मुनाफा कमा रही है.फिल्म की कमाई की बात करें तो श्भूल भुलैया 3य ने पहले जिन 35.5 करोड़ की कमाई की.फिर इसके पहले हफ्ते का कलेक्शन 158. 25 करोड़ रुपये रहा. वहीं इसने दूसरे फ्राइडे 9.25 करोड़, दूसरे शनिवार 15.5 करोड़, दूसरे रविवार 16 करोड़, दूसरे सोमवार 5 करोड़, दूसरे मंगलवार 4.25 करोड़ और दूसरे बुधवार 3.85 करोड़ कमाए. वहीं अब

## एक्शन से भरपूर वरुण धवन की फिल्म बेबी जान का धमाकेदार टीजर आउट, बढ़ाया प्रशंसकों का उत्साह

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन इन दिनों साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु के साथ सिटाडेल हनी बनी में नजर आ रहे हैं. इस सीरीज को हाल ही में प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया है, जिसको दर्शकों का काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. फिल्म में वरुण एक्शन में मोड में नजर आ रहे हैं. उनके किरदार को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं. एक्शन से भरपूर इस सीरीज के बाद वरुण धवन जल्द ही एक और नई एक्शन से भरपूर फिल्म में नजर आने वाले हैं, जिसका हाल ही में उन्होंने टीजर जारी किया है. जी हां, सिटाडेल हनी बनी के बाद वरुण धवन इन दिनों अपनी अपकमिंग नई फिल्म बेबी जॉन को लेकर बिजी हो चुकी हैं और उनकी रिलीज की तैयारी कर रहे हैं. हाल ही में उन्होंने अपने पुलिस अवतार की एक झलक फैंस के साथ इंस्टाग्राम पर शेयर की, जिसको देखने के बाद फिल्म को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है. इस वीडियो में वरुण पहली बार पूरी तरह से एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं. उन्होंने इस टीजर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, मेरे जैसे कई आए होंगे, लेकिन मैं पहली बार आया हूं.ये किरदार वरुण धवन के अब तक के निभाए गए सभी किरदारों से बिल्कुल अलग है और फैंस को उनका नया अंदाज काफी पसंद आ रहा है. इस टीजर से पहले भी फिल्म का एक टीजर जारी किया गया था. उसको भी काफी पसंद किया गया था, जिसे टेस्टर कट कहा गया था. ये टीजर सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 के साथ सिनेमाघरों में दिखाया गया था. टीजर देखने के बाद ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में एक्शन और इमोशन का भरपूर तड़का देखने को मिलेगा. वरुण फिल्म में एक पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आएंगे.इसके साथ ही फिल्म में सिंगल पिता का किरदार भी निभाने वाले हैं. टीजर में उनके दमदार डायलॉग्स और जबरदस्त एक्शन सीन फैंस का ध्यान खींच रहे हैं. इस फिल्म में वरुण के साथ तमिल एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश नजर आने वाली हैं, जबकि जैकी श्रॉफ

## पाचन की समस्याओं को दूर करने के लिए घर पर बनाएं आंवले खट्टी–मिठी डाइजेस्टिव गोली, नोट करें रेसिपी

पेट संबंधित से समस्याओं से परेशान रहते हैं तो आप घर पर आसान तरीके से खट्टी–मीठी आंवला कैंडी। इससे आपका पेट भी दुरुस्त रहेगा। इसे बनाने के लिए नोट करें रेसिपी। आंवला एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी से भरपूर होता है। आंवला इम्यूनिटी बूस्ट करने में कारगर साबित हो सकता है। आंवले के सेवन से हेल्थ ठीक रहती है। आंवले का जूस पीने से शरीर हेल्दी है। आंवले को डाइट में शामिल करने से पाचन संबंधी समस्याओं में लाभदायक होता है। आप भी अपने घर पर बेहद आसान तरीके से डाइजेस्टिव खट्टी–मीठी गोलियां बनाएं। इसे बच्चे से लेकर बड़े भी खूब खाना पसंद करेंगे।बस 1 महीने में उगाएं नए बाल, कोई केमिकल नहीं, एकदम नैचुरल उपाय और जानें आंवले की खट्टी–मीठी गोली बनाने के लिए सामग्री– 500 ग्राम आंवला– एक कप गुड़– सेंधा नमक स्वादानुसार– काला नमक एक चम्मच– काली मिर्च पाउडर एक चम्मच– भुना जीरा एक चम्मच– आधा कप पिसी चीनी– एक चौथाई चम्मच हींग– नींबू का रसआंवले की खट्टी–मीठी गोली बनाने की विधि– इसके लिए आप आंवले को अच्छे से धो लें। इसके बाद कूकर में उबाल लें।– उबले आंवले को कूकर से निकालें और ठंडा होने के लिए रख दें। जब ये ठंडे हो जाएं तो आवले की गुठली को निकाल दें। – अब आप आंवलों को मिक्सी में डालकर पीस लें और पेस्ट तैयार कर लें। ध्यान रहे कि आंवला बारीक पीसा हुआ। पीसने में पानी का थोड़ा इस्तेमाल करें।– इसके बाद पैन गर्म करें और एक कप गुड़ डालें। इसके साथ ही पिसा हुआ आंवले का पेस्ट भी जरुर डालें। – धीरे–धीरे मिक्स करते हुए आप इसे भूनें। गैस को धीमा ही रखें फिर अब इसमें सारे मसाले डाल दें। भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, हींग, काला नमक, सेंधा नमक सब डाल दें, फिर इसे अच्छे से भूनें।– आप इसे जब तक चलाएं कि ये गाढ़ा ना हो जाए।

## करेला के जूस में छिपा है सेहत का राज, रोजाना पीने से मिलेंगे कई फायदे

करेला का जूस शरीर के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. यह एक खास तरह की सब्जी होती है. जो कड़वे स्वाद और अपने फायदे के लिए जाने जाते हैं. करेला का जूस सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है. इसमें कई तरह के औषधीय गुण होते हैं. करेला का जूस भले ही स्वाद में कड़वा होता है लेकिन यह पूरे शरीर को डिटॉक्स करने का काम करता है. साथ ही साथ ब्लड में शुगर लेवल को कंट्रोल करने का काम करता है. इसे पीने से हार्ट हेल्थ से लेकर पाचन भी काफी अच्छा होता है. इसका ड्रिंक पीना है तो आप इसमें नींबू, अदरक और शहद मिलाएं. ताकि इसका स्वाद काफी ज्यादा अच्छा रहे.करेले का जूस विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स से होता है भरपूरकरेले के जूस में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट का

# चौपाल में सुनी गई ग्रामीणों की समस्याएं

पिपरौली गोरखपुर । पिपरौली क्षेत्र के ग्राम पंचायत तेनुअन के प्राथमिक विद्यालय पर शगांव की समस्या का गांव में समाधानश के तहत अधिकारीयों की ग्रामीणों संग एक चौपाल लगाई गई।। जिसमें ज्वाइंट मजिस्ट्रेटध्खंड विकास अधिकारी शिशिर कुमार सिंह द्वारा ग्रामीणों की समस्याओं की जानकारी ली गई तथा सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके साथ साथ ही ग्रामीणों को आश्वासन दिया गया कि ग्रामीणों की जो भी समस्याएं हैं उनका निस्तारण किया जाएगा जिसके लिए उन्होंने ग्राम सचिव को निर्देशित भी किया। चौपाल का संचालन पिपरौली प्रधान संघ अध्यक्ष व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मनीष पांडेय ने किया ।इस अवसर पर एडिओ पंचायत अरविंद कुमार सिंह, एडिओ आईएसबी संजय कुमार दुबे, ग्राम सचिव नीरज यादव, समीर यादव, चंद्रशेखर, रामचरन, महेंद्र विश्वकर्मा सहित सैकड़ों की संख्या में अन्य लोग उपस्थित रहे।

# जिलाधिकारी ने महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज का औचक निरीक्षण, फायर सेफ्टी मानकों के सख्त अनुपालन के निर्देश

देवरिया ।जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल ने आज महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज का औचक निरीक्षण किया और वहां की फायर सेफ्टी व्यवस्था का गहन परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, उन्होंने मेडिकल कॉलेज के एमसीएच विंग में एसएनसीयू वार्ड का निरीक्षण करते हुए इमरजेंसी फायर एग्जिट के सुरक्षित मार्ग बनाने के निर्देश दिए।जलाधिकारी ने कहा कि आकस्मिक परिस्थितियों में इमरजेंसी एग्जिट लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी फायर एक्सटिंगशरों की एक्सपायरी डेट की नियमित जांच की जाए और कर्मचारियों को आग से संबंधित आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने के लिए समुचित प्रशिक्षण दिया जाए। इस अवसर पर चीफ फायर सेफ्टी ऑफिसर अरुण कुमार ने जिलाधिकारी को सूचित किया कि मेडिकल कॉलेज का फायर ऑडिट इस वर्ष जनवरी और जून में हुआ था। उन्होंने बताया कि फायर ऑडिट के दौरान जो कमियां पाई गई थीं, उन्हें समय रहते ठीक कर लिया गया है। जिलाधिकारी ने जिले के सभी सीएचसी, पीएचसी और मेडिकल कॉलेजों में फायर सेफ्टी मानकों के अनुपालन की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों में फायर सेफ्टी को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

# देवरिया में 650 मीट्रिक टन डीएपी की आपूर्ति, सहकारी समितियों के माध्यम से कृषकों तक पहुंचाए जाएंगे उर्वरक

देवरिया। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने बताया कि देवरिया जनपद में 650 मीट्रिक टन डीएपी उर्वरक की आपूर्ति की गई है, जिसे सहकारी समितियों के माध्यम से कृषकों को उपलब्ध कराया जाएगा। नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड से 300 मीट्रिक टन और इफको से 350 मीट्रिक टन डीएपी प्राप्त हुआ है, जिसका वितरण जनहित में 15 सहकारी समितियों (बी–पैक्स) और 24 केंद्रों के जरिए किया जाएगा। जिलाधिकारी ने जिला प्रबंधक पीसीएफ को निर्देशित किया है कि डीएपी का त्वरित वितरण सुनिश्चित किया जाए। डीएपी की बिक्री 1350 रुपये प्रति बोरी (50 किलोग्राम) और नैनो डीएपी की बिक्री 600 रुपये प्रति बोतल (500 एमएल) की दर पर की जाएगी। कृषकों को पारदर्शी तरीके से उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए विक्रय केंद्रों पर लेखपालों की तैनाती की गई है। यह पहल किसानों को उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने और कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

# तहसील सलेमपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित, डीएम और एसपी ने जन समस्याओं का समाधान किया

देवरिया। देवरिया जिले के तहसील सलेमपुर में जिलाधिकारी दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस अधीक्षक श्री संकल्प शर्मा भी उपस्थित रहे। इस दौरान जिलाधिकारी और एसपी ने जनता की शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना और उनका शीघ्र और निष्पक्ष समाधान करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।सम्पूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से कुल 114 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 63 शिकायतें राजस्व विभाग से, 18 पुलिस विभाग से, 9 विकास विभाग से और 2–2 शिकायतें स्वास्थ्य और समाज कल्याण विभाग से संबंधित थीं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि किसी भी शिकायत का समाधान में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए और यदि कोई शिकायत समाधान नहीं हो सकी, तो उसे एक सप्ताह के भीतर हल किया जाए। रागिनी देवी की अंत्योदय राशन कार्ड की शिकायत का समाधान तुरंत किया गया और उन्हें राशन कार्ड प्रदान किया गया। सुग्रीव चौरसिया की खतौनी से सेंट्रल बैंक का नाम हटाने की शिकायत का तत्काल समाधान किया गया। इंदु देवी की विधवा पेंशन और राशन कार्ड की शिकायत का समाधान 2 दिनों के भीतर करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने सभी लेखपालों को अपने क्षेत्र का नियमित निरीक्षण करने और भूमि विवादों का समय पर समाधान करने के निर्देश भी दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस के आयोजन से यह संदेश गया कि जिले में प्रशासन जनता की समस्याओं के समाधान के लिए गंभीर है और अधिकारियों को तय समय सीमा के भीतर शिकायतों का समाधान करना होगा।

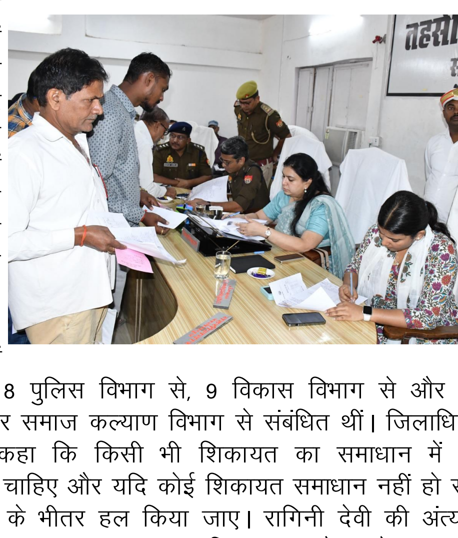

# पांच पशु के साथ तीन पशु तस्कर गिरफ्तार

बांसगांव गोरखपुर । बांसगांव थानाध्यक्ष प्रेमपाल सिंह द्वारा आज बांसगांव खजनी मार्ग पर वाहन चेकिंग कर रहे थे तभी तेज रफ्तार से आ रही पिकअप रुकने के बजाय बैरियर को टक्कर मारते हुए बांसगांव महावीर छपरा मार्ग पर भागे आगे आमी नदी पर पुल से पहले मोड़ पर पीकप अनियंत्रित होकर पलट गई। मौके से थानाध्यक्ष व हमराहियों के सहयोग से पशुओं को निकिला गया तथा मौके से इलाही, शहाबुद्दीन व अली अहमद को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

# ब्लाक संसाधन केंद्र गगहा पर एक दिवसीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम हुआ आयोजित

गगहा गोरखपुर । गगहा ब्लॉक संसाधन केंद्र गगहा पर ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम की शुरुआत प्रधान संघ के अध्यक्ष विनोद सिंह तथा खंड शिक्षा अधिकारी डॉ प्रदीप शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष डॉ सुमंत सिंह, जूनियर संघ के अध्यक्ष अवधेश सिंह एवं ब्लॉक मंत्री हामिद अली द्वारा माँ सरस्वती का माल्यार्पण कर किया गया। ब्लॉक के एआरपी गौरव श्रीवास्तव एवं संदीप नायक, अध्यापक राम सनेही व सत्येंद्र पाठक द्वारा डी. बी.टी., निपुण भारत मिशन, विद्यालय प्रबन्ध समिति एवं आउट ऑफ स्कूल बच्चों के चिन्हांकन पर विशेष प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं ब्लॉक प्रमुख शिवाजी चन्द ने अपने संबोधन में हर सम्भव मदद देने एवं आपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत समस्त ग्राम प्रधान एवं प्रधानाध्यापक आपसी सहयोग से कायाकल्प के अधूरे कार्य को पूर्ण करने की

अपील भी की। पूर्व माध्यमिक विद्यालय गगहा के छात्रों द्वारा सोशल मीडिया के दुष्परिणाम पर एक लघुनाटिका प्रस्तुत की गयी एवं राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत ब्लॉक स्तर पर चयनित 5 बच्चों को स्मृति चिन्ह, विज्ञान किट दे कर पुरस्कृत किया गया तथा इनमें से जनपद स्तर पर चयनित पूर्व माध्यमिक विद्यालय गगहा के दो बच्चों जिनमे तेजस्वनि प्रथम एवं अजीत यादव चतुर्थ स्थान को स्मृति चिन्ह व टैबलेट दे कर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्राथमिक विद्यालय सकरी के प्रधानाध्यापक सत्येंद्र बहादुर सिंह ने किया एवं कार्यक्रम में पूर्व ब्लॉकमंत्री चंद्रसेन सिंह, राम सेवक, मुर्तुजा अली, संतोष सिंह, मनोज मिश्रा, विनय कुमार वैश्य, उमाचरण पांडेय, मेराज अहमद, लक्ष्मी जी, रंजना यादव, कृपा शंकर, राजेश कुमार, रुचि, सुनीता, संगीता मौर्य, अभिनव सिंह आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

# अमेरिका ने भारत को लौटाई 1400 से अधिक चुराई गई कलाकृतियां

भारत की सांस्कृतिक धरोहर के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, अमेरिका ने 1,400 से अधिक चुराई गई कलाकृतियां वापस लौटाई हैं। इन प्राचीन मूर्तियों और वस्तुओं की कुल अनुमानित कीमत 10 मिलियन डॉलर है। यह पहल वैश्विक स्तर पर चुराई गई सांस्कृतिक धरोहरों को उनके मूल स्थानों पर वापस पहुंचाने के प्रयासों का हिस्सा है। इनमें से कई कलाकृतियां हाल ही में न्यूयॉर्क के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में प्रदर्शित थीं। इन वस्तुओं में प्राचीन मूर्तियां, धार्मिक प्रतीक और ऐतिहासिक महत्व की चीजें शामिल हैं, जो भारतीय संस्कृति और परंपरा का अनमोल हिस्सा मानी जाती हैं। अमेरिका का यह कदम न केवल भारत–अमेरिका के सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करता है, बल्कि यह चुराई गई धरोहरों की वापसी की दिशा में एक महत्वपूर्ण संदेश भी देता है। ये प्राचीन वस्तुएं भारत के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाती हैं और इन्हें उनके सही स्थान पर लौटाने से भारतीय समाज और इतिहास को सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी। यह पहल भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों से चुराई गई धरोहरों की वापसी का हिस्सा है। भारतीय संस्कृति की यह अनमोल धरोहर अब देश की आने वाली पीढ़ियों को अपनी प्राचीन सभ्यता और परंपरा से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएगी।

# बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौके पर ही मौत

कौड़ीराम गोरखपुर । शनिवार की शाम गोला कौड़ीराम मार्ग पर गगहा थाना क्षेत्र के भवनपोखर गांव के सामने अज्ञात वाहन की ठोकर से एक बाइक सवार की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोला क्षेत्र के परसिया निवासी संदीप कुमार (28) पुत्र महेंद्र शनिवार की शाम करीब 3 बजे बाइक द्वारा कौड़ीराम से घर की तरफ जा रहा था। बाइक पर ही उसके रिश्तेदारी की महिला भी बैठी थी। गोला कौड़ीराम रोड पर भवनपोखर गांव के पास सामने से आ रही एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस सड़क हादसे मे संदीप की मौके पर ही मौत हो गई तथा महिला छिटक कर दूर जा गिरी। सूचना पर पहुंची गगहा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अभी मृतक की शादी नही हुआ था। बाईक चालक हेलमेट नहीं पहना था। जिससे उसके सिर पर गंभीर चोट लगने से घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

# पत्नी के विवाद को लेकर ससुराल के लोगो ने पति को पीटा केस दर्ज

सहजनवा गोरखपुर । गीडा थाना क्षेत्र उत्तरी कोलिया में पत्नी के विवाद को लेकर ससुराल के लोगो ने पति को पीटकर घायल कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी से गीडा थाना क्षेत्र के उत्तरी कोलिया निवासी सावर पुत्र रुदल का पत्नी को लेकर ससुराल पक्ष से विवाद चल रहा है। 9 अक्टूबर को 8.30 बजे वह दुकान बंद कर चौराहे पर जा रहा था। उसी दौरान ससुराल पक्ष के लोग उसे रास्ते में रोक लिए और गाली गलौज करते हुए मारपीट कर घायल कर दिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी अनिल, राजू, गोरख, फतेबहादुर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

# आईटीएम में वित्तीय प्रबंधन पर एक व्याख्यान का हुआ आयोजन

सहजनवा गोरखपुर । इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेन्ट गीडा गोरखपुर मे सीए हिमांशु का वित्तीय प्रबंधन पर एक व्याख्यान का आयोजन

मैनेजमेन्ट के छात्रों के लिए किया गया जिसमें बोलते हुए उन्होने कहा वित्तीय साक्षरता किसी भी स्कूल या कॉलेज में नहीं सिखाई जाती है। तीन घंटे का यह सत्र इतना आकर्षक और प्रभावशाली था कि छात्रों और शिक्षकों को समय के बीतने का पता ही नहीं चला। एमबीए छात्रों ने आम आदमी द्वारा वर्तमान समय में सामना की जाने वाली कठिनाइयों से संबंधित कई प्रासंगिक प्रश्न पूछे। हमारे अतिथि वक्ता, सीए हिमांशु बैरोलिया ने जटिल वित्तीय विषयों को बेहद सरल बनाकर प्रस्तुत किया और यह सुनिश्चित किया कि छात्र आज से ही सत्र में सीखी गई बातों को लागू करना शुरू करें। छात्रों को स्टॉक मार्केट के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी मिली, जो उनके लिए वास्तव में आंखें खोलने वाला सत्र था। उन्होंने यह समझा कि अगर धन को सही तरीके से उपयोग में लाया जाए तो यह क्या चमत्कार कर सकता है। निदेशक डॉ. एन के सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छात्र छात्राओं को वास्तविक व्यवसायिक परिवेश से परिचित होने का अवसर मिलता है। एमबीए विभागाध्यक्ष और समस्त शिक्षक गण उक्त अवसर पर उपस्थित रहे। प्रशिक्षण एवं कौशल विभागाध्यक्ष ने इस संगोष्ठी की व्यवस्था की।

# पत्नी के विवाद को लेकर ससुराल के लोगो ने पति को पीटा केस दर्ज

सहजनवा गोरखपुर । गीडा थाना क्षेत्र उत्तरी कोलिया में पत्नी के विवाद को लेकर ससुराल के लोगो ने पति को पीटकर घायल कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी से गीडा थाना क्षेत्र के उत्तरी कोलिया निवासी सावर पुत्र रुदल का पत्नी को लेकर ससुराल पक्ष से विवाद चल रहा है। 9 अक्टूबर को 8.30 बजे वह दुकान बंद कर चौराहे पर जा रहा था। उसी दौरान ससुराल पक्ष के लोग उसे रास्ते में रोक लिए और गाली गलौज करते हुए मारपीट कर घायल कर दिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी अनिल, राजू, गोरख, फतेबहादुर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

# राष्ट्रीय विद्यालय प्रबन्धक संघ गोरखपुर इकाई ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा को संबोधित बीएसए को ज्ञापन सौंपा

गोरखपुर। राष्ट्रीय विद्यालय प्रबन्धक संघ गोरखपुर इकाई ने जिलाध्यक्ष गणेश प्रसाद शर्मा के नेतृत्व में यूडायस कोड आवंटन में हो रही देरी और अन्य समस्याओं को लेकर महानिदेशक स्कूल शिक्षा लखनऊ उत्तर प्रदेश को संबोधित जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखपुर के अनुपस्थिति में उनके द्वारा निर्देशित वीरु प्रजापति डीसी कम्युनिटी को ज्ञापन सौंपा। राष्ट्रीय विद्यालय प्रबन्धक संघ ने अविलम्ब यूडायस कोड आवंटित करने, नये छात्रों के पंजीकरण विद्यालय स्तर पर किया जाय, छात्र छात्राओं के आधार कार्ड बनाने के लिए स्कूल में कैम्प लगाया जाय, यूडायस से संबंधित प्रशिक्षण बीआरसी पर कराया जाय आदि मांगो से संबंधित ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग किया है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष गणेश प्रसाद शर्मा, महानगर अध्यक्ष अनवर अली, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार मिश्र, जिला उपाध्यक्ष गुनागर, जिला महामंत्री शिवांश त्रिपाठी, जिला मंत्री विवेक श्रीवास्तव, जिला मीडिया प्रभारी कन्हैया लाल जायसवाल, जिला कार्यालय प्रभारी उमेश चौधरी, जिला मंत्री हेमन्त कुमार पाठक, जिला मंत्री धर्मेन्द्र यादव, उपेन्द्र कुमार प्रजापति सहित भारी संख्या में विद्यालय प्रबन्धक उपस्थित रहे।

# राजनाथ सिंह ने जातिगत जनगणना को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा

एजेंसी।

महाराष्ट राजनाथ सिंह ने जातिगत जनगणना को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। राजनाथ ने कहा कि हमारे नौजवान नेता राहुल गांधी हाथ में कुछ लाल लिए रहते हैं, कहते हैं कि संविधान है।महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार का दौर जारी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने महायुति के समर्थन में मुंबई में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान राजनाथ ने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच पिछले 2.5 साल से लगातार युद्ध चल रहा है। जब रूस और यूक्रेन के बीच यह युद्ध शुरू हुआ, तो हमारे कई बच्चे वहां पढ़ते थे, इसलिए यहां मौजूद उनके माता–पिता ने प्रधान मंत्री से मुलाकात की और उनसे अपने बच्चों को यूक्रेन से वापस लाने के लिए कहा। प्रधानमंत्री ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से बात की और आप जानते ही होंगे कि युद्ध साढ़े चार घंटे के लिए रुक गया और हमारे 22,000 बच्चे वहां से भारत आ गए। भारत ने वो काम कर दिखाया जो कोई देश नहीं कर सका। इसके साथ ही राजनाथ सिंह ने जातिगत जनगणना को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। राजनाथ ने कहा कि हमारे नौजवान नेता राहुल गांधी हाथ में कुछ लाल लिए रहते हैं, कहते हैं कि संविधान है। जहां भी जाते हैं,

# एकनाथ शिंदे ने उ)व ठाकरे और अजित पवार ने शरद पवार की पीठ में छुरा घोंपा–रेवंत रेड्डी

एजेंसी।

चंद्रपुर (महाराष्ट्र) विधानसभा चुनाव को लेकर चंद्रपुर जिले में महा विकास आघाडी (एमवीए) के उम्मीदवार के लिए एक रैली को संबोधित करते हुए तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सत्ता के लिए उद्धव ठाकरे जबकि उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शरद पवार की पीठ में छुरा घोंपा है। । तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सत्ता के लिए उद्धव ठाकरे जबकि उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शरद पवार की पीठ में छुरा घोंपा। चंद्रपुर जिले में महा विकास आघाडी (एमवीए) के उम्मीदवार के लिए एक रैली को संबोधित करते हुए रेड्डी ने कहा कि अगर महाराष्ट्र के लोग गर्व के साथ जीना चाहते हैं तो शिंदे और अजित पवार को (राजनीतिक रूप से) दफन कर देना चाहिए। उन्होंने कहा, एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे की पीठ में छुरा घोंपा और गुजरात का गुलाम बनना चुना। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपने चाचा और गुरु शरद पवार की पीठ में छुरा घोंपा। मैं महाराष्ट्र के लोगों से अपील करता हूं कि अगर वे गर्व से सिर ऊंचा करके जीना चाहते हैं तो उन्हें शिंदे और अजित पवार को दफना देना चाहिए। रेड्डी ने दावा किया कि दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई समेत भारत के छह सबसे बड़े शहरों ने भाजपा को नकार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि गुजरात से मुंबई को लूटने के लिए दो लोग आए, जिनके नाम हैं प्रधानी और अडाणी है। उन्होंने कहा, डबल इंजन सरकार का मतलब है कि एक (इंजन) प्रधानी है और दूसरा अडाणी है। अजित पवार ने कबूल किया था कि अडाणी एमवीए सरकार को गिराने की साजिश में शामिल थे। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार ने राज्य सरकार में युवाओं को 50,000 नौकरियां दी हैं और यह उपलब्धि गुजरात सरकार भी हासिल नहीं कर सकती।

# मणिपुर के 7 जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया, 6 लोगों के मृत पाए जाने के बाद इंटरनेट बंद कर दिया गया

एजेंसी।

मणिपुर। हिंसा प्रभावित मणिपुर के इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व में कर्फ्यू लगा दिया गया और सात जिलों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं, क्योंकि घाटी के जिलों में छह लोगों की हत्या के खिलाफ ताजा विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। हिंसा प्रभावित मणिपुर के इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व में कर्फ्यू लगा दिया गया और सात जिलों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं, क्योंकि घाटी के जिलों में छह लोगों की हत्या के खिलाफ ताजा विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं, जिनके शव कथित तौर पर उग्रवादियों द्वारा अपहरण किए जाने के बाद जिरीबाम में मिले थे।पूर्वोत्तर राज्य में मौजूदा स्थिति को देखते हुए इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, कांगपोकपी और चुराचंदपुर जिलों में दो दिनों के लिए इंटरनेट बंद कर दिया गया। इंफाल घाटी के कुछ जिलों में बड़े पैमाने पर हिंसा की खबरें आईं, क्योंकि भीड़ ने कई विधायकों के घरों पर धावा बोल दिया और संपत्ति को नष्ट कर दिया।लोगों के एक समूह ने सपाम निशिकांत सिंह के घर पर हमला किया और गेट और गेट के सामने बने बंकरों को नष्ट कर दिया। इसी भीड़ ने इंफाल पश्चिम जिले के सागोलबंद में विधायक आरके इमो के घर पर धावा बोला और फर्नीचर जला दिया और खिड़कियां तोड़ दीं।इम्फाल के ख्वाइरामबंद

कीथेल में छह लोगों – तीन महिलाओं और तीन बच्चों – के अपहरण और हत्या को लेकर विरोध प्रदर्शन हुए। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि उनके शव शुक्रवार शाम को मणिपुर–असम सीमा पर जिरीबाम जिले के जिरीमुख के सुदूर गांव में एक नदी के पास मिले। शवों को शुक्रवार रात असम के सिलचर मेडिकल कॉलेज अस्पताल (डब्ब) लाया गया और पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल के मुर्दाघर में रखा गया।

# महबूबा मुफ्ती की मांग, अनुच्छेद 370 पर अपना स्टैंड किल्यर करे एनसी और कांग्रेस

**एजेंसी**

जम्मू– मुफ्ती ने कहा कि इस सरकार को जनता ने भारी जनादेश दिया है। उन्होंने इस पर गहरी आस्था जताई है। अनुच्छेद 370 जम्मू–कश्मीर के लोगों के लिए एक भावनात्मक मुद्दा है और लोगों की भावनाएं इससे जुड़ी हैं।पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की उस टिप्पणी के बाद जम्मू–कश्मीर सरकार से स्पष्टीकरण मांगा कि उनकी पार्टी ने कभी भी अनुच्छेद 370 की बहाली के बारे में बात नहीं की। महबूबा गुरुवार को पुणे में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अनुच्छेद 370 की वापसी पर खड़गे की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दे रही थीं। मुफ्ती ने कहा कि इस सरकार को जनता ने भारी जनादेश दिया है। उन्होंने इस पर गहरी आस्था जताई है। अनुच्छेद 370 जम्मू–कश्मीर के लोगों के लिए एक भावनात्मक मुद्दा है और लोगों की

भावनाएं इससे जुड़ी हैं। पीडीपी प्रमुख ने कहा कि जम्मू–कश्मीर विधानसभा में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) द्वारा पारित प्रस्ताव में केंद्र से पूर्ववर्ती राज्य की विशेष स्थिति को बहाल करने के लिए एक तंत्र तैयार करने के लिए कहा गया था, जो अनुच्छेद 370 की बहाली पर अस्पष्ट और स्पष्ट नहीं था। उन्होंने कहा कि नेकां और कांग्रेस सरकार को स्पष्टीकरण देना चाहिए। पीडीपी ने यह भी कहा था कि प्रस्ताव स्पष्ट नहीं था (अनुच्छेद 370 पर) और इसका अस्पष्ट उल्लेख किया गया था। इस सरकार में 50 सदस्य हैं, उन्हें सिर ऊंचा करके यह बात कहनी चाहिए थी। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि फिर कांग्रेस का यह कहना कि यह प्रस्ताव राज्य के दर्जे के लिए था, न कि (अनुच्छेद) 370 के लिए, ने लोगों के मन में बहुत सारे सवाल और आशंकाएं पैदा कर दी हैं। इसलिए सरकार को इसे स्पष्ट करना चाहिए। जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्ताव में 5 अगस्त, 2019 को जो किया गया था उसकी निंदा की जानी चाहिए थी – जब केंद्र ने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था।पुणे प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान खड़गे ने कहा कि अमित शाह अपनी चुनावी रैलियों में कांग्रेस पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हैं। लेकिन वह (खुद) कह रहे हैं कि कांग्रेस (जम्मू–कश्मीर में) अनुच्छेद 370 वापस लाना चाहती है। बताओ, ऐसा किसने और कब कहा? उन्होंने कहा कि आप एक मुद्दा उठा रहे हैं यदि यह (अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का प्रस्ताव) संसद में पहले ही पारित हो चुका था, तो आप इस मुद्दे को फिर से क्यों उठा रहे हैं? इसका मतलब है कि आप बंटवारे के मुद्दे को जिंदा रखना चाहते हैं।

## जय शाह की एक काल.. फ्लाप हो गई पाकिस्तान की नापाक हरकत आईसीसी भी हो गया मजबूर

आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चौंपियंस ट्रॉफी को विवादित पीओके के दौरे पर ले जाने के कदम पर बीसीसीआई की कड़ी आपत्ति के बाद इस पर रोक लगा दी। ये टूर्नामेंट पिछली बार 2017 में खेला गया था और अब तक अधर में लटका हुआ है। चौंपियंस ट्रॉफी को लेकर विवाद थ् ाम नहीं रहा है। हाल ही में आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चौंपियंस ट्रॉफी को विवादित पीओके के दौरे पर ले जाने के कदम पर बीसीसीआई की कड़ी आपत्ति के बाद इस पर रोक लगा दी। ये टूर्नामेंट पिछली बार 2017 में खेला गया था और अब तक अधर में लटका हुआ है। दरअसल, बीसीसीआई भारतीय टीम को पाकिस्तान भेजने से इनकार कर चुकी है। वहीं

पाकिस्तान बोर्ड ने बीसीसीआई के दुबई मं अपने मैच खेलने के प्रस्तावित हाइब्रिड मॉडल को खारिज कर दिया है।वहीं कहा जा रहा है कि, बीसीसीआई सचिव जय शाह ने शुक्रवार को आईसीसी के टॉप अधि ाकारियों से बात की और पाकिस्तान के इस कदम की निंदा की। इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले बीसीआी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई को बताया कि, भारतीय बोर्ड के सचिव ने आईसीसी को फोन किया और पीओके के अंतर्गत आने वाले कई शहरों में ट्रॉफी का दौर कराने के पीसीबी के कदम की कड़ी आलोचना की। साथ ही उन्होंने आईसीसी से सख्त कार्रवाई करने को भी कहा। ट्रॉफी का दौरान आईसीसी के प्रचार अभियान का हिस्सा है जिसमें अंतर्राष्ट्रीय संस्था और मेजबान देश के बीच चर्चा के अनुसार कई शहरों का दौरा शामिल होता है। हालांकि, पीसीबी ने सभी हितधारकों से पहले परामर्श किए बिना अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा कर दी थी। जब आईसीसी के एक सदस्य से संपर्क किया गया तो उन्होंने पीटीआई को बताया कि, ट्रॉफी दोरे पर चर्चा अभी भी जारी है। मुझे नहीं पता कि पीसीबी ने इन चार शहरों के बारे में सभी को जानकारी दी थी या नहीं। लेकिन अगर नहीं तो ये निश्चित रूप से सही नहीं था। मुझे लगता है कि आईसीसी पीसीबी को किसी विवादित क्षेत्र में ट्रॉफी ले जाने की अनुमति देगा।

लेकिन पीसीबी के एक अधिकारी ने सूत्र से कहा कि ट्रॉफी दौरे की योजना आईसीसी से सलाह मशविरा करके और उसकी मंजूरी से बनाई गई थी और ये पाकिस्तान बोर्ड का एकतरफा फैसला नहीं था।

## सूर्यकुमार यादव की कुर्बानी टीम इंडिया के लिए साबित हुई मास्टर स्ट्रोक,एसए को ऐसे दी पटखनी

चार मैच की इस सीरीज में टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका को 3–1 से हराया। पहले मुकाबलों के बाद सीरीज 1–1 की बराबरी पर थी, तब सूर्यकुमार यादव ने अपनी नंबर–3 की पोजिशन का त्याग करते हुए तिलक वर्मा को ऊपर खेलने का मौका दिया और युवा सनसनी ने अगले दोनों मैचों में शतक जड़ कप्तान के इस त्याग को जाया नहीं जाने दिया।टीम इंडिया को सफलता की राह दिखाने के लिए कप्तान को कभी आगे बढ़कर अगुवाई करनी पड़ती है तो कभी साथी खिलाड़ियों को मौका देने के लिए कुछ त्याग करने पड़ते हैं। ऐसा ही कुछ सूर्यकुमार यादव के साथ साउथ अफ्रीका सीरीज के दौरान हुआ। उन्होंने सीरीज के दौरान एक ऐसा त्याग किया जो टीम के लिए मास्टर स्ट्रोक बन गया। दरअल, चार मैच की इस सीरीज में टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका को 3–1 से हराया। पहले मुकाबलों के बाद सीरीज 1–1 की बराबरी पर थी, तब सूर्यकुमार यादव ने अपनी नंबर–3 की पोजिशन का त्याग करते हुए तिलक वर्मा को ऊपर खेलने का मौका दिया और युवा सनसनी ने अगले दोनों मैचों में शतक जड़ कप्तान के इस त्याग को जाया नहीं जाने दिया। सुर्या सेंचुरियन में खेले गए तीसरे वनडे मैच के दौरान खुलासा किया था कि तिलक वर्मा ने खुद उनसे नंबर–3 पर बल्लेबाजी करने को कहा था। कप्तान ने कहा था कि, तिलक वर्मा के बारे में मैं क्या कह सकता हूं। वह मेरे पास दूसरे टी20 मैच के बाद कमरे में आए, मुझसे पूछा कि क्या वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं? मैंने उनसे कहा कि आज उसका दिन है और उसे इसका लुत्फ उठाना चाहिए। मैं जानता था कि वह क्या करने में सक्षम है और उसके लिए बेहद खुश हूं। वह निश्चित रूप से आगे चलकर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेगा। उसने इसके लिए कहा कि उसने ऐसा किया।

## संजू सैमसन और तिलक के धमाकेदार शतक, साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत ने जीती 3–1 से सीरीज

संजू सैमसन और तिलक वर्मा की धमाकेदार नाबाद शतकीय पारियों की बदौलत शुक्रवार को यहां चौथे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 138 रन से जीत हासिल कर श्रृंखला 3–1 से अपने नाम की। भारत का टी20 अंतरराष्ट्रीय में अब तक का विदेशी सरजमीं पर और दक्षिण अफ्रीकी धरती पर किसी भी देश द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर है।भारत ने संजू सैमसन और तिलक वर्मा की धमाकेदार नाबाद शतकीय पारियों की बदौलत शुक्रवार को यहां चौथे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 138 रन से जीत हासिल कर श्रृंखला 3–1 से

अपने नाम की। सैमसन (नाबाद 109) और वर्मा (नाबाद 120) के बीच दूसरे विकेट के लिए रिकॉर्ड 210 रन की अटूट साझेदारी से भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए एक विकेट पर 283 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।यह भारत का टी20 अंतरराष्ट्रीय में अब तक का विदेशी सरजमीं पर और दक्षिण अफ्रीकी धरती पर किसी भी देश द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर है। अर्शदीप सिंह (20 रन देकर तीन विकेट) के शानदार शुरूआती स्पैल की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 10 रन पर चार विकेट गंवा दिये थे और फिर पूरी टीम 18.2 ओवर में 148 रन पर सिमट गई। मैच के दौरान कई रिकॉर्ड टूटे जिसमें सबसे खास रिकॉर्ड दो भारतीय बल्लेबाजों का एक ही टी20 अंतरराष्ट्रीय पारी में शतक जड़ना रहा।सैमसन और वर्मा ने दूसरे विकेट के लिए सिर्फ 93 गेंद में बनी 210 रन की साझेदारी भारत के लिए इस प्रारूप में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी भागीदारी भी रही।

## विवादित बहस, पाकिस्तानियों को भारतीय छात्रों ने दिया करारा जवाब

हम आपको बता दें कि विदेशों में पाकिस्तानी एजेंडे को आगे बढ़ाने वाले प्रोफेसर जफर खान के संबोधन को पाकिस्तानी मीडिया में खूब तवज्जो मिली है। प्रोफेसर जफर खान ने अपने संबोधन में जम्मू–कश्मीर को लेकर भारत की सरकार, सेना और मीडिया पर तमाम तरह के आरोप लगाये। पाकिस्तान विभिन्न मंचों पर कश्मीर को लेकर दुष्प्रचार अभियान चलाता रहता है लेकिन भारत और भारतीय हर मंच पर पाकिस्तान को करारा जवाब देते हैं। ताजा मामला लंदन से सामने आया है जहां भारतीय छात्रों के एक समूह ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की ऑक्सफोर्ड यूनियन सोसाइटी में कश्मीर पर आयोजित एक बहस के विरोध में नारे लगाए और तख्तियां दिखाईं। विरोध प्रदर्शनों के दौरान 'भारत माता की जय' और 'ऑक्सफोर्ड यूनियन आतंकवाद के साथ खड़ा है' के नारे लगाए गए। हम आपको बता दें कि इस बहस में आतंकवाद से जुड़ाव रखने वाले वक्ताओं को मंच दिया गया। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार शाम को 'कश्मीर को एक स्वतंत्र प्रदेश के रूप में देखने' संबंधी एक प्रस्ताव के पक्ष में बोलते हुए जम्मू और कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) से जुड़े जफर खान और 'वर्ल्ड कश्मीर फ्रीडम मूवमेंट' से जुड़े मुजम्मिल अयूब ठाकुर ने भी भाषण दिया। हम आपको याद दिला दें कि इस साल मार्च में भारत ने आतंकवाद के आरोपी यासीन मलिक की अगुआई वाले जेकेएलएफ पर प्रतिबंध को अगले पांच साल के लिए बढ़ा दिया था। हम आपको बता दें कि विदेशों में पाकिस्तानी एजेंडे को आगे बढ़ाने वाले प्रोफेसर जफर

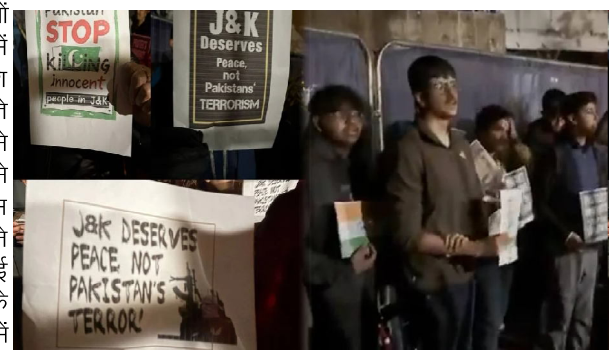


खान के संबोधन को पाकिस्तानी मीडिया में खूब तवज्जो मिली है। प्रोफेसर जफर खान ने अपने संबोधन में जम्मू–कश्मीर को लेकर भारत की सरकार, सेना और मीडिया पर तमाम तरह के आरोप लगाये। पाकिस्तानी मीडिया ने तो यहां तक दावा किया है कि इस सत्र के दौरान कई भारतीय छात्र भी शामिल थे जिन्होंने इस प्रस्ताव का समर्थन किया कि जम्मू–कश्मीर मुद्दे का हल निकालने के लिए उसे स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए।दूसरी ओर, कार्यक्रम के दौरान के जो वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हैं उसमें साफ देखा जा सकता है कि भारतीय छात्रों ने इस दौरान जमकर विरोध जताया। इंडियन ऑक्सफोर्ड यूनियन के सदस्य आदर्श मिश्रा ने बहस के दौरान हस्तक्षेप करते हुए कहा, ''जेकेएलएफ एक आतंकी संगठन है।'' सामुदायिक संगठन 'इनसाइट यूके' द्वारा 'एक्स' पर साझा किए गए एक वीडियो के अनुसार, आदर्श मिश्रा को यह कहते हुए सुना जा सकता है ''मुझे इस मंच पर भरोसा नहीं है और मैंने (ऑक्सफोर्ड यूनियन के) अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है।'' आदर्श मिश्रा ने कहा कि जफर खान और मुजम्मिल अयूब ठाकुर ''(पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी) आईएसआई और पाकिस्तान के लिए कठपुतली के तौर पर काम कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि 'इनसाइट यूके' विश्वविद्यालय में भारतीय छात्रों के नेतृत्व में प्रदर्शन का समर्थन करने वाले समूहों में से एक है। इस बहस के खिलाफ भारतीय प्रवासी संगठनों ने रैली निकाली, जिसमें ऑक्सफोर्ड हिंदू सोसाइटी भी शामिल थी। हम आपको बता दें कि ऑक्सफोर्ड यूनियन को कार्यक्रम रद्द करने के लिए एक औपचारिक पत्र भी जारी किया गया था। ऑक्सफोर्ड हिंदू सोसाइटी के पत्र में कहा गया था कि यह ध्यान देने योग्य है कि ये दोनों वक्ता हिंदू विरोधी घृणा फैलाने में शामिल रहे हैं और ऐसे संगठनों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं जिनका ब्रिटेन के साथ–साथ भारत के केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ घृणा फैलाने से संबंध है। पत्र में कहा गया था कि हिंदू छात्र इस बात से भयभीत और निराश महसूस कर रहे हैं कि ऑक्सफोर्ड यूनियन ने जेकेएलएफ से जुड़े व्यक्ति को आमंत्रित किया है–जिसका हिंदुओं पर हमला करने का रिकॉर्ड है। 'इनसाइट यूके' द्वारा ऑक्सफोर्ड यूनियन को लिखे गए पत्र में कहा गया था कि कश्मीर क्षेत्र दशकों से आतंकवाद का निशाना रहा है, जिसके कारण हजारों कश्मीरी हिंदुओं को जबरन पलायन करना पड़ा और अनगिनत पीड़ाएं झेलनी पड़ीं। पत्र में कहा गया है कि कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का अभिन्न अंग माना जाता है और इस पर सवाल उठाने वाली कोई भी बहस भारत की संप्रभुता के लिए चुनौती है। हम आपको बता दें कि ऑक्सफोर्ड यूनियन की स्थापना 1823 में हुई थी। विभिन्न विषयों पर यहां जोरदार बहस होती रही है।

## तबाही के मूड में किंमजोंग खतरनाक क्तवदम बनाने के दिए आदेश, आखिर क्या है

उत्तर कोरिया ने लक्ष्यों पर सटीक प्रहार करने के लिए डिजाइन किए गए विस्फोटक ड्रोन का परीक्षण किया है, वहीं नेता किम जोंग उन ने इन हथियारों के बड़े पैमाने पर निर्माण में तेजी लाने का आह्वान किया है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग–उन ने आत्मघाती हमला करने वाले ड्रोन के ष्बड़े पैमाने पर उत्पादनष का निर्देश दिया है, शुक्रवार को राज्य मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, उन्होंने एक दिन पहले सिस्टम का परीक्षण देखा था। किम ने जमीन और समुद्र दोनों लक्ष्यों को मारने के लिए ड्रोन के परीक्षणों की निगरानी की, जिन्हें उत्तर कोरिया के मानव रहित हवाई प्रौद्योगिकी परिसर (न।ज्) द्वारा विकसित किया गया था। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (झ्छ।) ने कहा, ष्उन्होंने जल्द से जल्द एक सीरियल प्रोडक्शन सिस्टम बनाने और बड़े पैमाने पर बड़े पैमाने पर उत्पादन करने की आवश्यकता पर जोर दिया।उत्तर कोरिया ने लक्ष्यों पर सटीक प्रहार करने के लिए डिजाइन किए गए विस्फोटक ड्रोन का परीक्षण किया है, वहीं नेता किम जोंग उन ने इन हथियारों के बड़े पैमाने पर निर्माण में तेजी लाने का आह्वान किया है। यह जानकारी शुक्रवार को सरकारी मीडिया ने दी। देश ने यह परीक्षण ऐसे समय में किया है जब अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान निकटवर्ती अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में उन्नत लड़ाकू जेट विमानों और एक अमेरिकी विमानवाहक पोत के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास कर रहे हैं। उत्तर कोरिया की आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने कुछ तस्वीरें प्रकाशित कीं जिनमें किम कम से कम दो अलग–अलग तरह के मानवरहित हवाई वाहनों के पास अधिकारियों से बात करते नजर आ रहे हैं। इनमें 'एक्स'–आकार की पूंछ और पंख वाले यान शामिल हैं जो उन ड्रोन की तरह प्रतीत होते हैं जिनका देश ने अगस्त में उस समय खुलासा किया था जब किम ने विस्फोट करने वाले ड्रोन के एक और प्रदर्शन का निरीक्षण किया था। केसीएनए ने बताया कि ड्रोन ने विभिन्न मार्गों से उड़ान भरी और लक्ष्यों पर सटीक प्रहार किया। इसके चित्रों में ऐसा प्रतीत हो रहा था कि ड्रोन से बीएमडब्ल्यू सेडान और टैंकों के पुराने मॉडल को निशाना बनाया गया। किम ने हथियार विकसित करने की प्रक्रिया पर संतोष व्यक्त किया और ''जल्द से जल्द एक श्रृंखला उत्पादन प्रणाली बनाने और बड़े पैमाने पर उत्पादन करने'' की आवश्यकता पर बल दिया। किम ने बताया कि कैसे ड्रोन आधुनिक युद्ध में महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। केसीएनए ने किम के शब्दों को दोहराते हुए कहा कि कई सैन्य गतिविधियों के लिए ड्रोन कम लागत पर बनाना आसान है। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर पिछले महीने उत्तर कोरिया विरोधी पर्चे गिराने के लिए अपने ड्रोन भेजने का आरोप लगाया था और धमकी दी थी कि अगर दोबारा ऐसा किया गया तो वह बलपूर्वक जवाब देगा। दक्षिण कोरिया की सेना ने इस बात की पुष्टि करने से इनकार कर दिया है कि उत्तर कोरिया के ये दावे सही हैं या नहीं।

## उत्तर कोरिया ने विस्फोटक ड्रोन का परीक्षण किया, किम ने बड़े पैमाने पर निर्माण का आह्वान किया

उत्तर कोरिया ने लक्ष्यों पर सटीक प्रहार करने के लिए डिजाइन किए गए विस्फोटक ड्रोन का परीक्षण किया है। देश ने यह परीक्षण ऐसे समय में किया है जब अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान निकटवर्ती अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में उन्नत लड़ाकू जेट विमानों और एक अमेरिकी विमानवाहक पोत के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास कर रहे हैं।सियोल । उत्तर कोरिया ने लक्ष्यों पर सटीक प्रहार करने के लिए डिजाइन किए गए विस्फोटक ड्रोन का परीक्षण किया है, वहीं नेता किम जोंग उन ने इन हथियारों के बड़े पैमाने पर निर्माण में तेजी लाने का आह्वान किया है। देश ने यह परीक्षण ऐसे समय में किया है जब अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान निकटवर्ती अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में उन्नत लड़ाकू जेट विमानों और एक अमेरिकी विमानवाहक पोत के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास कर रहे हैं। उत्तर कोरिया की आधि ाकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने कुछ तस्वीरें प्रकाशित कीं जिनमें किम कम से कम दो अलग–अलग तरह के मानवरहित हवाई वाहनों के पास अधिकारियों से बात करते नजर आ रहे हैं।इनमें 'एक्स'–आकार की पूंछ और पंख वाले यान शामिल हैं जो उन ड्रोन की तरह प्रतीत होते हैं जिनका देश ने अगस्त में उस समय खुलासा किया था जब किम ने विस्फोट करने वाले ड्रोन के एक और प्रदर्शन का निरीक्षण किया था। केसीएनए ने बताया कि ड्रोन ने विभिन्न मार्गों से उड़ान भरी और लक्ष्यों पर सटीक प्रहार किया। इसके चित्रों में ऐसा प्रतीत हो रहा था कि ड्रोन से बीएमडब्ल्यू सेडान और टैंकों के पुराने मॉडल को निशाना बनाया गया।किम ने हथियार विकसित करने

## 27 साल की उम्र में बनने जा रही हैं व्हाइट हाउस' की सबसे युवा प्रेस सचिव

एजेंसी।

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैरोलिन लेविट को 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) की प्रेस सचिव नामित किया है। लेविट 'व्हाइट हाउस' की वर्तमान प्रेस सचिव कैरीन पियरे का स्थान लेंगी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को घोषणा की कि उनके अभियान की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव होंगी। 27 वर्षीय लेविट इस पद को संभालने वाली सबसे कम उम्र की व्यक्ति बन जाएंगी, उन्होंने रोनाल्ड जिग्लर को पीछे छोड़ दिया, जो 1969 में राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के अधीन काम करते समय 29 वर्ष के थे। वर्तमान में, ट्रंप की संक्रमण टीम की प्रवक्ता, लेविट ने मीडिया में ट्रंप का मजबूत बचाव करने के लिए पहचान हासिल की है।अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैरोलिन लेविट को 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) की प्रेस सचिव नामित किया है। लेविट 'व्हाइट हाउस' की वर्तमान प्रेस सचिव कैरीन पियरे का स्थान लेंगी। ट्रंप 20 जनवरी 2025 को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। लेविट, ट्रंप के चुनाव प्रचार अभियान में राष्ट्रीय प्रेस सचिव थीं और इससे पहले वह 'ट्रंप व्हाइट हाउस' में सहायक प्रेस सचिव के रूप में सेवाएं दे चुकी हैं। ट्रंप ने लेविट के नाम का अनुमोदन करते हुए कहा, ''लेविट ने मेरे ऐतिहासिक प्रचार अभियान में राष्ट्रीय प्रेस सचिव के रूप में अभूतपूर्व काम किया और मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि वह व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव के रूप में काम करेंगी।'' नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने की कैरोलिन की जमकर तारीफ नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, '' कैरोलिन बुद्धिमान, दृढ़ निश्चयी हैं तथा उन्होंने साबित कर दिया है कि वह एक अत्यंत प्रभावी वक्ता हैं।'' ट्रंप ने कहा, '' मुझे पूरा विश्वास है कि वह अमेरिकी लोगों तक हमारा संदेश पहुंचाने में मदद करेंगी...।'' लेविट के अतिरिक्त ट्रंप ने स्टीवन चेउंग को राष्ट्रपति के सहायक और संचार निदेशक तथा सर्जियो गोर को राष्ट्रपति के सहायक और राष्ट्रपति कार्मिक कार्यालय के निदेशक के रूप में नामित किया है। ट्रंप ने कहा, '' स्टीवन चेउंग और सर्जियो गोर 2016 में राष्ट्रपति पद के चुनाव के प्रचार अभियान के समय से ही मेरे विश्वसनीय सलाहकार रहे हैं और मेरे पहले कार्यकाल से लेकर 2024 में हमारी ऐतिहासिक जीत तक उन्होंने 'अमेरिका फर्स्ट' के सिद्धांतों को आगे बढ़ाया है। कैरोलिन लेविट न्यूयॉर्क प्रतिनिधि एलिस स्टेफनिक की संचार निदेशक थीं। स्टेफनिक, जिन्हें अब ट्रम्प द्वारा संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत के रूप में नामित किया गया है, ने लीविट को उनके प्रभावशाली योगदान का श्रेय दिया है।2022 में, लीविट ने न्यू हैम्पशायर के प्रथम जिले में कांग्रेस के लिए चुनाव लड़ा। उन्होंने रिपब्लिकन प्राइमरी जीती लेकिन डेमोक्रेट क्रिस पप्पस से हार गईं। इस अभियान के अनुभव ने उनके सार्वजनिक भाषण और मीडिया कौशल को निखारा, जिससे वे अपनी नवीनतम

भूमिका के लिए तैयार हो गईं। ट्रम्प की टीम से उनका जुड़ाव तब भी जारी रहा जब वे ड।ळ। प्दब., एक ट्रम्प समर्थक सुपर च।ब् की प्रवक्ता बनीं और बाद में उनके 2024 के अभियान में एक प्रमुख आवाज के रूप में फिर से शामिल हुईं। परंपरागत रूप से, व्हाइट हाउस प्रेस सचिव की भूमिका में दैनिक ब्रीफिंग आयोजित करना और प्रशासन का सार्वजनिक चेहरा बनना शामिल है। हालाँकि, 2017 से 2021 तक ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान, उन्होंने अक्सर इन मानदंडों को दरकिनार कर दिया, रैलियों, सोशल मीडिया और स्व–संचालित प्रेस इंटरैक्शन के माध्यम से अपने स्वयं के प्रवक्ता के रूप में कार्य किया। ट्रम्प के पहले प्रशासन के दौरान चार अलग–अलग प्रेस सचिव थे, जिनके दृ ष्टिकोण प्रेस के साथ नियमित टकराव से लेकर ब्रीफिंग से पूरी तरह बचने तक के थे। ट्रम्प के पिछले कार्यकाल के दौरान, सीन स्पाइसर और सारा हुकाबी सैंडर्स जैसे प्रेस सचिव अक्सर पत्रकारों से उलझते थे, जबकि स्टेफनी ग्रिशम ने कभी ब्रीफिंग नहीं की, और कैली मैकनेनी ने सीधे मीडिया का सामना किया, खासकर महामारी के दौरान। विशेषज्ञों का मानना है

## न्यूयार्क में ईरान के यूएन राजदूत से मुलाकात की रिपोर्ट

इस बीच, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने गुरुवार को तेहरान में आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी के साथ बैठक में कहा कि ईरान अपने शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम से संबंधित किसी भी प्रश्न का समाधान करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय निकायों के साथ सहयोग करने के लिए पूरी तरह तैयार है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने शुक्रवार को बताया कि प्रौद्योगिकी अरबपति एलन मस्क ने ईरान के संयुक्त राष्ट्र राजदूत से मुलाकात की और ईरान तथा अमेरिका के बीच तनाव कम करने के तरीकों पर चर्चा की। प्रकाशन में कहा गया कि मस्क और राजदूत आमिर सईद इरावानी के बीच न्यूयॉर्क में एक गुप्त स्थान पर हुई बैठक, जो एक घंटे से अधिक समय तक चली, को दो ईरानी अधिकारियों ने ष्सकारात्मकष बताया और कहा कि बैठक दोनों देशों के बीच तनाव कम करने पर केंद्रित थी।न्यूयॉर्क टाइम्स ने बताया कि ट्रम्प ने पिछले हफ्ते यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के साथ बातचीत के दौरान टेस्ला और एक्स के मालिक मस्क को एक नई सरकारी दक्षता एजेंसी के सह–निदेशक के रूप में नियुक्त किया था, उन्होंने ही टेक

अरबपति को फोन सौंपा था। रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन को संचार क्षमता प्रदान करने में मस्क ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।अपने पहले कार्यकाल के दौरान, ट्रम्प ने ईरान और विश्व शक्तियों के बीच 2015 के परमाणु समझौते से अमेरिका को बाहर निकाल लिया, इसे ष्एक भयानक एकतरफा सौदा कहा जो कभी नहीं किया जाना चाहिए था, और ईरानी तेल राजस्व और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग लेनदेन पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए। उन्होंने 2020 में इराक में एक शीर्ष ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या का भी आदेश दिया।जवाब में, ईरान के सर्वोच्च नेता ने ट्रम्प प्रशासन के साथ किसी भी तरह की बातचीत पर प्रतिबंध लगा दिया और ईरानी अधिकारियों ने सुलेमानी की हत्या का बदला लेने की कसम खाई। संघीय अभियोजकों ने पिछले सप्ताह अदालत में दायर एक दस्तावेज में कहा कि ईरान ने चुनाव से पहले ट्रम्प की हत्या की साजिश रची थी।इस बीच, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने गुरुवार को तेहरान में आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी के साथ बैठक में कहा कि ईरान अपने शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम से संबंधित किसी भी प्रश्न का समाधान करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय निकायों के साथ सहयोग करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ईरानी सरकारी मीडिया इरना की एक रिपोर्ट के अनुसार पेजेशकियन ने रेखांकित किया कि आईएईए की रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि ईरान ने संयुक्त व्यापक कार्य योजना के तहत अपनी सभी प्रतिबद्धताओं को पूरा किया है, जिसे ईरान परमाणु समझौते के रूप में भी जाना जाता है, लेकिन अमेरिका एकतरफा रूप से इससे हट गया। रिपोर्ट में एक अज्ञात ईरानी अधिकारी का हवाला देते हुए कहा गया है कि मस्क के साथ अपनी बैठक में राजदूत इरावानी ने टेक अरबपति से कहा कि उन्हें ट्रेजरी से प्रतिबंध ाों में छूट प्राप्त करनी चाहिए और अपने कुछ व्यवसायों को तेहरान में लाना चाहिए।

## प्रतिबंधित टीटीपी वैश्विक आतंकवादी संगठनों का केंद्र बन गया है पाक सेना प्रमुख

पाकिस्तान को उम्मीद है कि अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार अपनी धरती का इस्तेमाल आतंकवादियों द्वारा किए जाने पर रोक लगायेगी और इस संबंध में सख्त कदम उठाएगी। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने शुक्रवार को कहा कि प्रतिबंधित तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान का आतंकवाद सभी वैश्विक आतंकवादी संगठनों और उनके छद्म संगठनों का

केंद्र बन गया है।यहां मर्गल्ला डायलॉग 2024 के विशेष सत्र में शांति और स्थिरता में पाकिस्तान की भूमिका विषय पर अपने संबोधन में सीमा की स्थिति पर चर्चा करते हुए थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल मुनीर ने कहा कि पश्चिमी सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए एक व्यापक सीमा प्रबंध ान व्यवस्था लागू की गई है। इस संगोष्ठी का आयोजन इस्लामाबाद पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईपीआरआई) द्वारा किया गया था। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, जनरल मुनीर ने कहा, खवारिज का खतरा दुनिया


स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक,**सम्पादक कपिल देव शुक्ल** द्वारा विभव प्रिंटर्स गाटा सं025 लोलेपुर सुलतानपुर उ० प्र०. से मुद्रित तथा सलीमपुर ग्रेन्ट, पो० व थाना कुरेभार, जिला–सुलतानपुर (उ०प्र०) से प्रकाशित **सम्पादक– कपिल देव शुक्ल**,
मो० 9415739288,9721748962
E-mail: kdshukla-79@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सुल्तानपुर न्यायालय होगा।